RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से खबरें

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 37 | जयपुर बुधवार, 05 अगस्त 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

▶ मोहन कैबिनेट ने दी सहकारिता विभाग की कवच योजना को मंजूरी

5 हजार किसानों को मप्र सरकार का कवच, 6846 शिक्षकों का बढ़ेगा वेतन

सहकारिता विभाग के कर्मचारियों की गलती से डिफॉल्टर हुए किसान योजना के दायरे में आएंगे जनजातीय कार्य विभाग के शैक्षणिक संवर्ग के लिए चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान की मिली स्वीकृति

● भोपाल

मप्र सरकार ने उन किसानों को राहत देने के लिए एक नई पहल की है, जो अपनी गलती नहीं होने के बावजूद सरकारी योजनाओं का लाभ लेने से वंचित हो गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई कैबिनेट की बैठक में सहकारिता विभाग की कवच योजना को मंजूरी दी गई। इस योजना का फायदा प्रदेश के 5 हजार से ज्यादा किसानों को मिलेगा। कैबिनेट ने जनजातीय कार्य विभाग के शैक्षणिक संवर्ग के लिए चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान की स्वीकृति भी दी है। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि कई सहकारी समितियों में किसानों के ऋण खातों में गड़बड़ियां सामने आई हैं। इन गड़बड़ियों के लिए किसान जिम्मेदार नहीं हैं। विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के कारण समितियों के साथ कई किसान भी डिफॉल्टर हो गए। ऐसे मामलों में जांच प्रक्रिया लंबी चलने के कारण किसानों के खाते नियमित नहीं हो सके। इसका सीधा असर यह हुआ कि ऐसे किसान नई सरकारी योजनाओं, फसल ऋण और अन्य आर्थिक सहायता का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। सरकार ने अब ऐसे किसानों को राहत देने का फैसला किया है। कवच योजना के तहत इन किसानों को दोबारा बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा जाएगा, ताकि वे फिर से सहकारी बैंकों से नया ऋण ले सकें और सरकार की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का लाभ उठा सकें। ऐसे किसानों की संख्या 5 हजार से ज्यादा है। निर्णय के अनुसार प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए अपैक्स बैंक और जिला सहकारी बैंकों द्वारा अपने स्तर से 50 करोड़ की सीमा तक की नीधि का निर्माण किया जाएगा। राज्य सरकार भी किसान हित में 25 करोड़ रूपये की अंशपूजी की सहायता एक बार उपलब्ध कराएगी।

35 साल की सेवा पूरी करने वाले शिक्षकों को फायदा

बैठक में जनजातीय कार्य विभाग के शैक्षणिक संवर्ग के लिए चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान की मंजूरी दी गई है। इससे जनजातीय कार्य विभाग के 6846 शिक्षकों को तीन साल की अवधि में चौथा क्रमोन्नत वेतनमान मिलेगा। विभाग के शैक्षणिक संवर्ग के सहायक शिक्षक एवं उच्च श्रेणी शिक्षक और नवीन शैक्षणिक संवर्ग के प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों के लिए प्रचलित क्रमोन्नत योजना अनुसार चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान 1 जुलाई 2023 अथवा इसके बाद की तिथि से 35 वर्ष की सेवा पूरी करने पर मिलेगा। इससे सरकारी ख्जाने पर तीन साल में 182 करोड़ रुपए का वित्तीय भार आएगा।

ग्वालियर टीएमजेड के लिए मुंबई से मिले 1550 करोड़ के निवेश प्रस्ताव।

भयानक टर्बुलेंस में फंसा एयर इंडिया का विमान, क्रू सहित 17 लोग घायल

फुकेट से दिल्ली आने के दौरान अचानक 300 फीट नीचे आई, हवा में खाई पलटी, दिल्ली में हुई सुरक्षित लैडिंग

● नई दिल्ली/

फुकेट (थाइलैंड) से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की उड़ान एआई-2379 में उड़ान के दौरान अचानक तेज हवा की चपेट में आकर टर्बुलेंस की शिकार हो गई। टर्बुलेंस की वजह से विमान अचानक 300 फीट तक नीचे आ गई। इस दौरान हवा में विनान पलटी भी खाई। हालांकि, पायलट ने स्थिति संभाली और फ्लाइट को दिल्ली एयरपोर्ट पर सुबह 11:07 बजे सुरक्षित उतार लिया। प्लेन में 137 यात्री और 8 क्रू मेंबर्स सवार थे।

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि घटना में 13 यात्री और 4 क्रू मेंबर्स समेत 17 लोग घायल हुए हैं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। इनमें से 5 को इलाज के बाद घर भेज दिया गया। बाकी भर्ती हैं। प्लेन में 137 यात्री और 8 क्रू मेंबर्स सवार थे। एयरबस ए320 विमान में यह घटना दिल्ली में लैंडिंग से कुछ समय पहले या क्रूज चरण (टेक-ऑफ के पूरे होने के बाद और नीचे उतरने की प्रक्रिया शुरू होने से पहले का समय होता है) के दौरान हुई, जिससे अचानक विमान की ऊंचाई में एकाएक गिरावट आ गई।

टर्बुलेंस क्या है और क्यों होता है?

टर्बुलेंस का आसान भाषा में अर्थ है हवा में अचानक होने वाली उथल-पुथल या हलचल। जब कोई विमान हवा के असमान या अनियमित प्रवाह से गुजरता है, तो यात्रियों को झटके या विमान का ऊपर-नीचे होना महसूस होता है। इसे आप गाड़ियों के किसी गड्ढेदार या उबड़-खाबड़ सड़क से गुजरने जैसा समझ सकते हैं। तूफानी बादलों, गरज और तेज हवाओं के संपर्क में आने पर विमान में झटके लगते हैं। गर्म और ठंडी हवा की परतें जब आपस में मिलती हैं, तो हवा का प्रवाह बिगड़ जाता है। हवा जब ऊंचे पहाड़ों से टकराकर ऊपर उठती है, तो विमान के रास्ते में हलचल पैदा करती है।क्लियर एयर टर्बुलेंस सबसे खतरनाक टर्बुलेंस माना जाता है क्योंकि यह बिना किसी बादल या खराब मौसम के अचानक साफ आसमान में आ जाता है, जिसे रडार भी आसानी से नहीं पकड़ पाता।

नीट पीजी कटऑफ विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, केंद्र ने बनाई 12 सदस्यीय कमेटी

नई दिल्ली, आरएनएन। नीट पीजी 2025-26 काउंसलिंग के लिए क्वालिफाइंग पर्सेंटाइल कम करने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने कोर्ट को बताया कि उसके निर्देश के बाद सरकार ने इस मुद्दे पर विचार करने के लिए 12 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। सरकार ने कोर्ट को बताया कि यह कमेटी नीट पीजी में क्वालिफाइंग पर्सेंटाइल घटाने से जुड़े सभी पहलुओं की समीक्षा करेगी। कमेटी में संबंधित पक्षों की राय को शामिल किया जाएगा ताकि इस मामले पर व्यापक विचार किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कमेटी को इस मुद्दे पर सभी संबंधित पक्षों से सुझाव लेने चाहिए. इसमें केंद्र सरकार, नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस), मेडिकल संस्थानों और अन्य हितधारकों की राय शामिल होगी। कोर्ट ने निर्देश दिया कि कमेटी सभी सुझावों और पहलुओं पर विस्तार से विचार करने के बाद अपनी रिपोर्ट तैयार करें। कमेटी को अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में 8 हफ्तों के भीतर सौंपनी होगी। यह मामला नीट पीजी 2025-26 की काउंसलिंग प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है, जिसमें क्वालिफाइंग पर्सेंटाइल कम करने के फैसले को लेकर कुछ उम्मीदवारों और पक्षों ने आपत्ति जताई है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि पर्सेंटाइल में बदलाव का असर मेडिकल प्रवेश प्रक्रिया और सीट आवंटन पर पड़ सकता है।

डाबर के 100% शुद्धता का दावा निकला फर्जी, बिक्री पर लगी रोक

एफएसएसएआई का बड़ा एक्शन, शहद और घी जैसे प्रोडक्ट्स पर दावा गुमराह करने वाला बताया

● नई दिल्ली

देश की बड़ी एफएमसीजी कंपनी डाबर इंडिया के खिलाफ फूड सेफ्टी रेगुलेटर एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) ने बड़ा एक्शन लिया है।

एफएसएसएआई ने कंपनी को शहद, गाय का घी और खाना पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाले तेल की बिक्री को तत्काल प्रभाव से रोकने का आदेश दिया है। रेगुलेटर का कहना है कि ऐसी लेबलिंग कानून के खिलाफ है। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) के मुताबिक, डाबर का यह कहना कि उसके प्रोडक्ट्स 100 प्रतिशत शुद्ध हैं, पूरी तरह से गलत और ग्राहकों को गुमराह करने वाला है।

दो प्रोडक्ट्स पर ऑर्गेनिक इंडिया का लेबल भी गलत

इतना ही नहीं, डाबर के हिमालयन ऑर्गेनिक एप्पल साइडर विनेगर और डाबर ऑर्गेनिक शहद पर एफएसएसएआई की वैध ऑर्गेनिक मंजूरी के बिना ऑर्गेनिक इंडिया का लोगो भी गलत है। एफएसएसएआई का कहना है कि किसी भी प्रोसेस्ड फूड के लिए 100 प्रतिशत शुद्धता का दावा करना अस्पष्ट है और इन्हें साइंटिफिकली प्रूफ भी नहीं किया जा सकता है। ये लैब टेस्ट में पास ही नहीं होंगे। एफएसएसएआई ने डाबर इंडिया लिमिटेड को निर्देश दिया है कि वह 100 प्रतिशत के भ्रामक दावे करने वाले अन्य सभी फूड प्रोडक्ट्स की बिक्री पर तुरंत रोक लगाए और 15 दिनों के भीतर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट जमा करें।

मेटा को भेजा समन ग्लोबल टीम को दिल्ली किया तलब

नई दिल्ली (आरएनएन)। भारत सरकार ने मेटा की ग्लोबल टीम को समन भेजा है। आईटी सेक्रेटरी एस. कृष्णन ने कहा कि सरकार ने 5-6 अगस्त को भारत में मेटा की ग्लोबल टीम को बुलाया है। आईटी सेक्रेटरी कृष्णन का कहना है कि मेटा जैसी बड़ी टेक कंपनियों को यह पक्का करना चाहिए कि उनके सिस्टम वैसे ही काम करें जैसा सोचा गया था।

अगले दो दिन में पेश होने के लिए कहा

रिपोर्ट के मुताबिक आईटी सेक्रेटरी एस. कृष्णन ने आज मंगलवार को बताया, सरकार मेटा की ग्लोबल टीम के सामने कई मुद्दे उठाएगी, जिनमें सीएसएएम से जुड़े मामलों को संभालने से लेकर प्रमुख अकाउंट्स के खिलाफ गलत कार्रवाई तक के मामले शामिल हैं। मेटा ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रील को अकाउंट से हटा दिया था। हालांकि बाद में वो रील फिर दिखने लगी। इसी बीच अब मेटा की ग्लोबल टीम को भारत आने के लिए समन भेजा गया है।

|| उपचुनाव हार पर भाजपा का बड़ा एक्शन ||

दतिया में अध्यक्ष समेत पूरी जिला कार्यकारिणी को किया गया भंग

मोर्चा, प्रकोष्ठ, मंडल, प्रकल्पों और विभागों की सभी इकाइयां भी तत्काल प्रभाव से पदमुक्त

भोपाल (आरएनएन)। दतिया विधानसभा उपचुनाव में मिली हार के बाद भारतीय जनता पार्टी ने बड़ा संगठनात्मक फैसला लेते हुए दतिया जिला संगठन की पूरी कार्यकारिणी भंग कर दी है।

समीक्षा समिति की अनुशंसा पर कार्रवाई, भीतरघात के आरोपों पर संगठन सख्त

प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश पर जिलाध्यक्ष रघुवीर सिंह कुशवाह सहित जिला पदाधिकारियों, जिला कार्यसमिति, मंडलों, मोर्चों, प्रकोष्ठों, प्रकल्पों और विभागों की सभी संगठनात्मक इकाइयों को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर दिया गया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर करीब दो घंटे तक चली समीक्षा बैठक में उपचुनाव में हार के कारणों, संगठन की भूमिका, कथित भीतरघात और भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के बाद प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि दतिया विधानसभा उपचुनाव के परिणामों की समीक्षा के लिए गठित समिति की अनुशंसा के आधार पर जिला संगठन की वर्तमान संरचना तत्काल प्रभाव से भंग की जाती है।

सीएम हाऊस में हुई बैठक, नरोत्तम को नहीं बुलाया

सीएम हाऊस में दो घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में सीएम डाक्टर मोहन यादव के अलावा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री शिवप्रकाश समेत आधा दर्जन से अधिक मंत्री और प्रदेश पदाधिकारी मौजूद थे। इस बैठक में पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा को नहीं बुलाया गया। बताया जाता है कि बैठक में शहर में पार्टी को मिली हार पर भी चर्चा की गई।

बड़ा फैसला, बिना इंश्योरेंस अब नहीं मिल पाएगा पेट्रोल

नई कारों का थर्ड पार्टी बीमा 4 साल और बाइक के लिए 6 साल का लेना अनिवार्य

● नई दिल्ली,

गाड़ियों के इंश्योरेंस को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। इसके तहत सुप्रीम कोर्ट ने आईआरडीएआई को नई वाहनों के लिए अनिवार्य थर्ड पार्टी मोटर इंश्योरेंस की अवधि बढ़ाने का निर्देश दिया है।

अब नई कारों के लिए थर्ड पार्टी बीमा 3 साल की जगह 4 साल और नए दोपहिया वाहनों के लिए 5 साल की जगह 6 साल का लेना अनिवार्य होगा। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट की पीठ जस्टिस संजय करोल और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने दिया है। कोर्ट ने बिना बीमा के सड़कों पर चल रहे वाहनों को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि साल 2018 में दिए गए निर्देश के बावजूद बड़ी संख्या में वाहन बिना बीमा के सड़कों पर चल रहे हैं। ऐसे में सड़क सुरक्षा और दुर्घटना पीड़ितों के हित को देखते हुए बीमा अवधि में एक साल की वृद्धि जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने आईआरडीएआई को इस संबंध में तुरंत आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने बीमा नियमों का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करने के लिए आईआरडीएआई को निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि बीमा की चेकिंग के लिए हाईवे और सड़कों पर लगे ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) कैमरों को बीमा डेटाबेस और बाहन पोर्टल से जोड़ा जाए।

देशभर में अचानक बंद हुआ हजारों लोगों का व्हाट्सऐप

नई दिल्ली, आरएनएन। मेटा के स्वामित्व वाला इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप व्हाट्सऐप कई अकाउंट्स की जांच कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, व्हाट्सऐप ने सोमवार को कई यूजर्स के अकाउंट्स को 24 घंटे के लिए जांच के घेरे में डाल दिया है। यानी प्लेटफॉर्म उन अकाउंट्स का रिव्यू कर रहा है।

स्क्रीन पर दिखा अकाउंट अंडर रिव्यू का मैसेज

इन अकाउंट्स में भारत के भी कई अकाउंट्स शामिल हैं। कंपनी ने ऐप के सभी फीचर्स को भी ब्लॉक कर दिया। कई यूजर्स सोशल मीडिया पर इसकी शिकायत कर रहे हैं। मुझे भी कल रात ऐसी ही समस्या हुई थी, लेकिन कुछ ही सेकंड बाद में मेरा अकाउंट चलने लगा। दरअसल, व्हाट्सऐप यूजर्स को रात करीब 8 बजे इस दिक्कत के बारे में तब पता चला,

सख्त रुख इनमें 26/11 मुंबई हमलों के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा का अमेरिका से किया गया प्रत्यर्पण भी शामिल

7 साल में 36 देशों से 274 भगोड़े लाए गए भारत

● नई दिल्ली/

भगोड़े अपराधियों के खिलाफ केंद्र सरकार के सख्त रुख के कारण 2019 से जुलाई 2026 तक 36 देशों से कुल 274 भगोड़े अपराधियों को भारत वापस लाया गया है। इनमें 26/11 मुंबई हमलों के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण भी शामिल है।

दरअसल, केंद्र सरकार ने प्रत्यर्पण प्रक्रिया को और प्रभावी तथा तकनीक आधारित बनाने के लिए पिछले कुछ वर्षों में कई बड़े सुधार किए हैं। सरकार का दावा है कि इन प्रयासों के परिणामस्वरूप 2019 से जुलाई 2026 के बीच करीब 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों को भारत लाने में सफलता मिली है। इससे पहले प्रत्यर्पण प्रक्रिया धीमी और जटिल मानी जाती थी। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2004 से 2013 के बीच मात्र चार अपराधियों को ही भारत लाने में सफलता मिल सकी थी। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम लागू होने के बाद देश में भगोड़े अपराधियों के खिलाफ एकीकृत, खुफिया-आधारित और प्रौद्योगिकी-संचालित मॉडल विकसित किया गया है जिससे भगोड़ों के खिलाफ सख्ती बरतते हुए उन्हें वापस लाने का रास्ता साफ हुआ है। वापस लाए गए भगोड़ों में आतंकवादी, गैंगस्टर, आर्थिक अपराधी, नार्कोटिक्स आरोपी, हत्या, बलात्कार और पॉक्सो मामलों के वांछित शामिल हैं।

मंत्रालय ने और क्या बताया

मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2014 से पहले प्रत्यर्पण से संबंधित कानून पुराने हो गए थे और केवल 37 देशों के साथ भारत की प्रत्यर्पण संधियां थीं। आर्थिक भगोड़ों को पकड़ने और उनकी संपत्ति जब्त करने के लिए कोई अलग कानून नहीं था। वर्ष 2004 से 2013 के बीच हर वर्ष औसतन केवल चार भगोड़ों का प्रत्यर्पण होता था जबकि 110 अनुरोध लंबित थे। इसके अलावा, अधूरे दस्तावेज और धीमी कार्यवाही के कारण प्रत्यर्पण प्रक्रिया बहुत जटिल थी और विदेशी अदालतें भी प्रत्यर्पण की अनुमति नहीं देती थीं। साथ ही कानूनी एवं न्यायिक बाधाओं जैसे, दोहरे अभियोजन से बचाव और दोहरे अपराध के सिद्धांत के कारण भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध रद्द हो जाते थे।

गृह मंत्रालय ने कहा प्रत्यर्पण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया

गृह मंत्रालय और अन्य विभागों में समन्वय तथा एकीकृत रणनीति का अभाव था जिससे भगोड़ों की जानकारी साझा करना, लोकेशन ट्रैकिंग, रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने जैसे कार्य धीमी गति से होते थे। मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि भगोड़ों को वापस लाने को लेकर पहले की सरकारों में राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव था जबकि मोदी सरकार ने भगोड़ों के प्रत्यर्पण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया। सरकार ने भगोड़ों के खिलाफ तीन बातों वैश्विक अभियान, मजबूत समन्वय और स्मार्ट कूटनीति पर विशेष जोर दिया और भगोड़े अपराधियों के मुद्दे को देश की संप्रभुता, आर्थिक स्थिरता, कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ा है।

74 साल की उम्र में एक्टर प्रदीप रावत का निधन

महाभारत सीरियल में बने थे अश्वत्थामा लगान व गजनी फिल्मों से हुए थे मशहूर

मुम्बई, आरएनएन। लगान और गजनी जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग से दर्शकों के दिलों को जीतने वाले मशहूर एक्टर प्रदीप रावत अब इस दुनिया में नहीं रहे। 74 साल की उम्र में उनका निधन हो गया है।

बॉलीवुड एक्टर यशपाल शर्मा ने सोशल मीडिया पर उनके निधन की जानकारी दी है। प्रदीप रावत बॉलीवुड ही नहीं साउथ की इस फिल्मों में अपनी एक्टिंग का दम दिखा चुके थे। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बीआर चोपड़ा के महाभारत सीरियल से की थी। उन्होंने शो में अश्वत्थामा का रोल किया था। लगान में प्रदीप रावत के को-स्टार रहे यशपाल शर्मा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर ये दुखद खबर शेयर करते हुए लिखा है, हमारा गजनी, लगान का देवा प्रदीप रावत अब नहीं रहा। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। वे काफी समय से ब्लड कैंसर से जंग लड़ रहे थे।

विकास के दावों की खुली पोल

15 साल से बदहाल सड़क पर फूटा लोगों का गुस्सा : पानी में उतरकर किया प्रदर्शन, बोले- सड़क नहीं तो वोट नहीं

स्मार्ट हलचल

पुनित चपलोत भीलवाड़ा। शहर के गांधीनगर स्थित शनिदेव मंदिर के पीछे गाडरी खेड़ा क्षेत्र में वर्षों से बदहाल सड़क और जलभराव की समस्या को लेकर मंगलवार को स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने घुटनों तक भरे बारिश के पानी में उतरकर विरोध-प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो आगामी निकाय चुनाव में मतदान का बहिष्कार किया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान सड़क पूरी तरह जलमग्न हो जाती है, जिससे राहगीरों, महिलाओं, बच्चों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। खराब सड़क के कारण कई दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। लोगों का आरोप है कि उन्होंने कई बार जिला प्रशासन, नगर निगम और जनप्रतिनिधियों को शिकायतें दीं, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय निवासी अंकित कुमार सुखवाल ने

बताया कि गांधीनगर के शनिदेव मंदिर के पीछे स्थित गाडरी खेड़ा भीलवाड़ा शहर का प्रमुख मार्ग है, जो गांधीनगर को आजाद नगर से जोड़ता है। इसी सड़क से भारी ट्रांसपोर्ट वाहन भी गुजरते हैं। उन्होंने कहा कि हर बारिश में सड़क पर घुटनों तक पानी भर जाता है और कीचड़ फैल जाता है। प्रतिदिन वाहन फंसते हैं, लोग फिसलकर घायल होते हैं और महिलाओं व बच्चों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है। जलभराव के कारण डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब 15 वर्षों से यह समस्या जस की तस बनी हुई है। कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से शिकायत करने के बावजूद समाधान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि सड़क केवल कागजों में बनी हुई है, जबकि हकीकत में इसकी हालत बेहद खराब है। यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो क्षेत्रवासी निकाय चुनाव में किसी भी प्रत्याशी को वोट नहीं देंगे। स्थानीय महिला लीला देवी शर्मा ने बताया कि सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं और बारिश के समय घुटनों तक पानी भर जाता है। इससे बच्चे, महिलाएं और दोपहिया वाहन चालक आए दिन गिरकर घायल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों से सड़क की मरम्मत नहीं हुई, जिससे लोगों का जीवन मुश्किल हो गया है। शनिदेव मंदिर के पुजारी हीरालाल जोशी ने बताया कि सड़क की जर्जर स्थिति के कारण हर बारिश में पानी भर जाता है और बड़े-बड़े गड्ढे दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। कई लोग गिरकर घायल हो चुके हैं। जलभराव के कारण मच्छरों और कीट-पतंगों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में स्थानीय विधायक, जिला प्रशासन, नगर निगम, कलेक्ट्रेट और पार्षद को कई बार शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की है कि गाडरी खेड़ा क्षेत्र की सड़क का शीघ्र पुनर्निर्माण कराया जाए और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था की जाए, ताकि वर्षों से चली आ रही इस समस्या से क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके।

13 दिन बाद भी 23 वर्षीय युवती का सुराग नहीं, पुलिस के हाथ खाली

22 जुलाई को मनोहरपुरा से बिना बताए निकली थी युवती, मोबाइल घर पर छोड़ सिम साथ ले गई; परिजनों को अब भी वापसी का इंतजार

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक शक्करगढ़। थाना क्षेत्र के मनोहरपुरा गांव से लापता हुई 23 वर्षीय युवती का करीब दो सप्ताह बीतने के बाद भी कोई सुराग नहीं लग पाया है। परिजनों की ओर से शक्करगढ़ थाने में गुमशुदगी दर्ज कराने के बाद पुलिस ने तलाश शुरू की थी, लेकिन 4 अगस्त तक युवती का पता नहीं चलने से पुलिस के हाथ खाली हैं। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार मनोहरपुरा निवासी नंद भंवर गुर्जर ने बताया कि उनकी 23 वर्षीय बहन लक्ष्मी पुत्री नाथूलाल गुर्जर 22 जुलाई को घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। परिजनों ने गांव और रिश्तेदारी में काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। रिपोर्ट में खास बात यह भी सामने आई कि युवती अपना मोबाइल फोन घर पर छोड़ गई थी, जबकि उसमें लगी सिम निकालकर अपने साथ ले गई। कोई सुराग नहीं मिलने पर

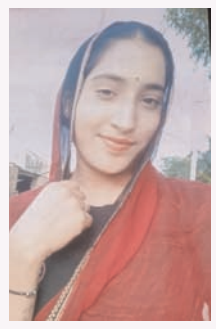

परिजनों ने 23 जुलाई की शाम शक्करगढ़ पुलिस थाने पहुंचकर लिखित रिपोर्ट दी। इसके बाद पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच एएसआई सियाराम को सौंपी। गुमशुदगी दर्ज, लेकिन तलाश अब भी जारी गुमशुदगी दर्ज हुए भी कई दिन गुजर चुके हैं। ऐसे में युवती का अब तक पता नहीं चल पाना परिजनों की चिंता बढ़ा रहा है। परिजन लगातार उसके सकुशल लौटने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। वहीं पुलिस के सामने भी युवती का पता लगाना चुनौती बना हुआ है। अब बड़ा सवाल यह है कि मोबाइल घर पर छोड़कर सिम साथ ले जाने के बाद युवती कहां गई और इतने दिनों बाद भी उसका कोई सुराग क्यों नहीं मिल पाया? पुलिस की जांच और तलाश के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी

न्यायालय परिसर के विकास कार्य के लिए विधायक से मिला प्रतिनिधिमंडल

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । जिला अभिभाषक संस्था अध्यक्ष उम्मेदसिंह राठौड़ के नेतृत्व में न्यायालय परिसर में विकास कार्य हेतु प्रतिनिधिमंडल संस्था उपाध्यक्ष महिपाल सिंह राणावत, महासचिव पंकज दाधीच, कोषाध्यक्ष रवि गोरानी, सह सचिव आदित्यसिंह चौहान, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र कचोलिया व दुर्गेश शर्मा व मनोनीत सदस्य पीरू सिंह गौड़ विधायक अशोक कोठारी से मिले अध्यक्ष राठौड़ ने विधायक से न्यायालय परिसर में रंग रोगन, इंटरलॉक टाइल एमएसीटी कोर्ट और रेवेन्यू कोर्ट में भी टाइल्स और रंगरोगन व CJM कोर्ट से ACD कोर्ट की कनेक्टिंग के लिए ब्रिज निर्माण हेतु मांग की जिस पर विधायक कोठारी ने विधायक कोष से राशि स्वीकृत करने हेतु आदेशित किया ताकि निर्माण कार्य शीघ्र से शीघ्र चालू किया जा सके इस निर्माण कार्य के लिए एस्टीमेट तैयार कर विधायक को सौंपा जाएगा ताकि न्यायालय परिसर में कार्य शीघ्र प्रारंभ हो सके अध्यक्ष राठौड़ ने बताया कि अधिवक्ताओं की सुविधाओं के लिए न्यायालय का रंग रोगन किया जाएगा व न्यायालय में इंटरलॉक टाइल लगाई जाएगी कार्यकारिणी सदैव अधिवक्ताओं के लिए तत्पर रही है

उप जिला अस्पताल बायतु के मुख्य द्वार पर कचरे का अंबार, स्वच्छता अभियान की खुली पोल; बदबू और मच्छरों से मरीज परेशान

स्मार्ट हलचल

बायतु (चिमु धतरवाल)। उप जिला अस्पताल बायतु के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने कचरे का ढेर लगाए जाने से अस्पताल में आने वाले मरीजों, उनके परिजनों, राहगीरों एवं स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में कचरे से उठ रही दुर्गंध और बढ़ते मच्छरों ने स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार अस्पताल परिसर एवं आसपास सफाई अभियान चलाकर कचरा तो एकत्रित कर लिया गया, लेकिन उसे समय पर उठाने के बजाय अस्पताल के मुख्य द्वार के सामने ही छोड़ दिया गया। इससे पूरे क्षेत्र में गंदगी का माहौल बन गया है और स्वच्छता अभियान का उद्देश्य भी प्रभावित होता नजर आ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल में पहले से ही विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे संवेदनशील स्थान के सामने कचरे का ढेर लगा रहने से संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ रही है। बरसात के कारण कचरे से आने वाली बदबू और मच्छरों के पनपने की सम्भावना से मरीजों, परिजनों तथा अस्पताल आने-जाने वाले लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। लोगों ने संबंधित विभाग एवं ग्राम पंचायत से मांग की है कि अस्पताल के मुख्य द्वार के सामने पड़े कचरे को तत्काल हटाया जाए तथा नियमित कचरा निस्तारण और साफ-सफाई की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि अस्पताल परिसर में स्वच्छ, सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक वातावरण उपलब्ध हो सके।

जन मांग

अस्पताल के मुख्य द्वार से कचरा तत्काल हटाया जाए। नियमित सफाई एवं कचरा निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बरसात के मौसम को देखते हुए मच्छररोधी दवा का छिड़काव कराया जाए। अस्पताल परिसर को स्वच्छ एवं संक्रमण मुक्त रखने के लिए स्थायी व्यवस्था की जाए।

10 माह से फरार NDPS एक्ट का टॉप 10 आरोपी प्रधान लाल जाट गिरफ्तार

45 किलो डोडा पोस्त तस्करी मामले में थी तलाश

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर/बर। ब्यावर जिला पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए पिछले 10 माह से फरार चल रहे बिगोद (भीलवाड़ा) निवासी वांछित आरोपी प्रधान लाल जाट को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी बर थाना पुलिस की 'टॉप-10' वांछित अपराधियों की सूची में शामिल था। अजमेर रेंज महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रवि सभरवाल और ब्यावर जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया और रायपुर वृत्ताधिकारी बंशीलाल पाण्डर के

निकटतम सुपरविजन में बर थानाधिकारी पन्नालाल उप-निरीक्षक के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया था।

यह था मामला

घटना 2 नवंबर 2025 की है, जब बर थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान ब्यावर की तरफ से आ रही एक स्विफ्ट कार (RJ 19 CF 7148) को रोकने का प्रयास किया था। पुलिस को देखकर कार सवारों ने वाहन भगाने की कोशिश की, जिससे गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। पुलिस ने मौके से अशोक विश्नोई (तिलवासनी, जोधपुर) और लक्ष्मण मेघवाल (झालामंड, जोधपुर) को डिटेन कर कार से 45.400 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त जब्त किया था।

मादक पदार्थ का बेचानकर्ता था आरोपी

मामले में दर्ज एफआईआर (प्रकरण संख्या 196/2025 धारा 8/15 NDPS एक्ट) के अनुसंधान के दौरान सामने आया कि डोडा पोस्त की सप्लाई और बेचान नयागांव सराणा (थाना बिगोद, भीलवाड़ा) निवासी प्रधान लाल (31) पुत्र हीरालाल जाट ने किया था। घटना के बाद से ही आरोपी लगातार पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था।

तकनीकी डेटा से मिली सफलता

पुलिस टीम ने सूचना संकलन और तकनीकी डेटा विश्लेषण के आधार पर आरोपी के ठिकाने का पता लगाया और त्वरित दबिश देकर उसे धर दबोचा। आरोपी को पकड़ने वाली टीम में थानाधिकारी पन्नालाल के साथ कांस्टेबल सुनील (608) और कांस्टेबल महिपाल (543) की विशेष भूमिका रही।

कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी कल करेंगे जहाजपुर में दो बड़े विकास कार्यों का लोकार्पण

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक हाजपुर। राजस्थान सरकार के जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी बुधवार, 5 अगस्त को जहाजपुर प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित दो महत्वपूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम को लेकर प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 2:15 बजे कैबिनेट मंत्री भगतों की झोपड़ियां रोड, बस स्टैंड के समीप डीएमएफटी (DMFT) फंड से लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित खेल स्टेडियम का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद दोपहर 3:00 बजे जालमपुरा चौराहा स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका आवासीय छात्रावास (मॉडल स्कूल) भवन का लोकार्पण करेंगे, जिसका निर्माण लगभग 4.61 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने की अपील की है।ष विधायक गोपीचंद मीणा ने कहा कि इन विकास कार्यों के लोकार्पण से जहाजपुर क्षेत्र में खेल सुविधाओं का विस्तार होगा तथा बालिका शिक्षा एवं छात्रावास व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों से कार्यक्रम में सहभागी बनने का आग्रह किया है।

मक्का मदीना शरीफ की उमराह यात्रा पर जाने वाले यात्रियों का किया स्वागत

13 वर्षीय निस्बा सबसे छोटी उम्र में जाएगी उमराह,किया स्वागत

उमराह यात्रियों को मक्का मदीना शरीफ की तस्वीर भेंट की,

स्मार्ट हलचल

काछोला काछोला कस्बे से उमराह जियारत के पाक मक्का मदीना शरीफ के मुकद्दस सफर पर पैग़म्बरे इस्लाम मोहम्मद साहब सअव रोजे मुबारक मक्का शरीफ, मदीना शरीफ में उमराह पर जाने वाले यात्रियों का परिजनों ने माला पहनाकर स्वागत किया और उमराह जाने वालों मक्का मदीना शरीफ की खूबसूरत तस्वीर अल्लाह मुहम्मद लिखी तस्वीर भेंट की। आशिके रसूल व

अकीदतमंदों ने कहा कि मदीने वालों को हमारा सलाम कहना व सभी के लिए सुख,समृद्धि, खुशहाली व अमन-चैन की दुआ करना। मोहम्मद इरफान रंगरेज ने बताया कि 14 अगस्त को अहमदाबाद एयरपोर्ट से मदीना एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे और 11 सितंबर तक 28 दिवसीय उमराह जियारत कर वापस लौटेंगे। इस्लाम धर्म के पवित्र तीर्थ स्थल मक्का व मदीना शरीफ की जियारत व उमराह पर जाने वाले फकरुद्दीन नीलगर व उनकी पत्नी मरियम,कमालुद्दीन रंगरेज सांगानेर की पत्नी बिस्मिल्लाह बानू,मोहम्मद असलम व उनकी पत्नि समा बानू, इनकी 13 वर्षीय पोती निस्बा सहित उमराह यात्रियों का मुस्लिम समाज जनों ने स्वागत किया और घर, परिवार, समाज, देश प्रदेश की खुशहाली के लिए दुआ की।जानकारों के अनुसार हज यात्रा के अलावा आम दिनों में सऊदी अरब में मक्का मदीना शरीफ की धार्मिक यात्रा को उमराह कहा जाता है,जो कि सालभर कभी भी कर सकते है।इसको लेकर कमालुद्दीन रंगरेज,उस्मान गनी,मोहम्मद युनुस,मुबारिक हुसैन,अल्ताफ हुसैन,नूर मोहम्मद,हाजी मोहम्मद शाबिर,मोहम्मद साहिल,फैज़ान, ओवेश मोहम्मद,मोहम्मद आतिफ सहित बरकत बानू, संजीदा, नजमा, अजमेरी, नीलोफर, हसीना,सिमरन, अल्फीजा,खुशी सहित आदि ने स्वागत किया।

नेशनल हाईवे 158 के अधूरे हाईवे निर्माण कार्य को लेकर धरने की योजना में आसीन्द कस्बे वासी

चार माह पूर्व दिए गए धरने की सहमतियों के अनुसार कार्य नहीं होने के कारण रखेंगे परियोजना निदेशक राकेश कुमार को निलंबन की मांग

आसींद :- आसींद कस्बे के मध्य गुजरे नेशनल हाईवे 158 के 700 मी अधूरे हाईवे निर्माण कार्यों को लेकर विगत पमाह पूर्व दिए गए धरने की सहमतियों की शर्तों के अनुसार नहीं होने के कारण आसींद कस्बे वासियों द्वारा हाईवे निर्माण को पूरा करने के लिए कर पुनः धरने की तैयारी दिखती नजर आ रही है, जानकारी के अनुसार आसींद कस्बे के मध्य से गुजरने वाले हाईवे के अधूरे निर्माण कार्य के कारण कस्बे वासियों सहित पत्रकारों

द्वारा धरना दिया गया था तथा धरने की समाप्ति पर परियोजना निदेशक राकेश कुमार की उपस्थिति तथा उपखंड अधिकारी और तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक ओम प्रकाश सोलंकी और स्थानीय विधायक के जब्बर सिंह सांखला सहित धरना स्थल के नेतृत्व कर्ताओं के बीच तीन माह में कार्य पूर्ण होने पर सहमति बनी थी लेकिन 5 महीने गुजर जाने के बाद भी इन सहमतियों पर किसी तरह का अमल नहीं होने के कारण आसींद कस्बे वासियों द्वारा नेशनल हाईवे 158 के परियोजना निदेशक राकेश कुमार के निलंबन की शर्तों के साथ ही कार्य को शीघ्र पूरा करने जैसी शर्तों पर धरने की योजनाएं बनाई जा रही है जानकारी के अनुसार 10 अगस्त को आसींद कस्बे के मुख्य बाजार बंद होने के समाचार प्राप्त हुए हैं

अस्पताल में डॉक्टर व स्टाफ की कमी पर 10 अगस्त से अनिश्चितकालीन धरना, एसडीएम को सौंपेंगे ज्ञापन

महिला चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और सोनोग्राफी ऑपरेटर की नियुक्ति की मांग; समाधान नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

बीगोद । राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की कमी को लेकर क्षेत्रवासियों में लगातार रोष बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले करीब एक माह से अस्पताल में डॉक्टरों और नर्सिंग कर्मियों के पद रिक्त होने के कारण मरीजों को घंटों कतार में लगकर इलाज कराना पड़ रहा है। वर्तमान में केवल एक अस्थायी चिकित्सक के भरोसे अस्पताल का संचालन होने से मरीजों के साथ-साथ अस्पताल स्टाफ को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि

अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध होने के बावजूद ऑपरेटर के अभाव में उसका उपयोग नहीं हो पा रहा है। वहीं चार स्वीकृत चिकित्सकों के पद होने के बावजूद महिला चिकित्सक की नियुक्ति नहीं होने से महिलाओं को विशेष रूप से परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रसव सहित अन्य महिला स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी मरीजों को दूसरे स्थानों का रुख करना पड़ता है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि अस्पताल में संसाधन उपलब्ध होने के बावजूद चिकित्सकों और स्टाफ की कमी के कारण आमजन को आपातकालीन स्थिति में भी इलाज के लिए भीलवाड़ा जाना पड़ता है। बीगोद की लगभग 25 हजार की आबादी के अलावा आसपास के कई गांवों के लोग भी इसी अस्पताल पर निर्भर हैं। ग्रामीणों ने बताया कि डॉक्टर एवं स्टाफ की कमी की समस्या से उपखंड अधिकारी मांडलगढ़ को पूर्व में भी अवगत कराया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला। इसी के विरोध में आंदोलनकारी मुनीर लोहार के नेतृत्व में 10 अगस्त 2026 (सोमवार) प्रातः 11 बजे उपखंड अधिकारी मांडलगढ़ को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके बाद बीगोद अस्पताल के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि अस्पताल में डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की शीघ्र व्यवस्था नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों की समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

बारिश में फूटा कॉलोनीवासियों का गुस्सा, रात के अंधेरे में अनोखा प्रदर्शन

विश्वकर्मा नगर-2 में बदहाल सड़क, अंधेरा और पानी की किल्लत, प्रशासन पर सवाल

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर की विश्वकर्मा नगर-2 कॉलोनी में सोमवार रात बारिश के बीच मूलभूत सुविधाओं से परेशान लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। कॉलोनीवासी सड़क पर उतर आए और प्रशासन के खिलाफ अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि कॉलोनी में लंबे समय से सड़कें टूटी पड़ी हैं। बारिश होते ही सड़कें तालाब बन जाती हैं। इससे बच्चों, बुजुर्गों और दोपहिया चालकों को भारी परेशानी होती है। कई लोग फिसलकर चोटिल भी हो चुके हैं।

अंधेरे में डूबी कॉलोनी

स्थानीय लोगों का कहना है कि कॉलोनी में स्ट्रीट लाइटों का अभाव है। रात होते ही पूरा इलाका अंधेरे में डूब जाता है। अंधेरे का फायदा उठाकर चोरों के हौसले बुलंद हैं और चोरी की घटनाओं का खतरा बढ़

गया है। लोगों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत के बावजूद कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ।

पेयजल की भी किल्लत

इसके अलावा नियमित पेयजल व्यवस्था नहीं होने से भी लोग परेशान हैं। कॉलोनीवासियों का कहना है कि मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवन कठिन हो गया है, लेकिन जिम्मेदार विभाग उदासीन बना हुआ है। बारिश के बीच हुए इस प्रदर्शन ने राहगीरों का ध्यान खींचा। लोगों ने प्रशासन से जल्द सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट और पेयजल व्यवस्था सुचारु करने की मांग की। चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

जयशंकर और उज़्बेक विदेश मंत्री ने की रणनीतिक संबंधों की समीक्षा

स्मार्ट हलचल

नई दिल्ली। उज़्बेकिस्तान के विदेश मंत्री बख्तियोर सैदोव के साथ डॉ. एस. जयशंकर ने एक उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच जारी रणनीतिक साझेदारी की व्यापक और विस्तृत समीक्षा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य व्यापार, निवेश, कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे अहम क्षेत्रों में आपसी सहयोग को और अधिक मजबूत करना था। डॉ. जयशंकर ने इस मुलाकात के बाद 'एक्स' पर लिखा उज़्बेकिस्तान के अपने दोस्त

बख्तियोर सैदोव से मिलकर बहुत अच्छा लगा। हमने अपनी रणनीतिक साझेदारी की विस्तृत समीक्षा की, जिसमें ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, व्यापार, रक्षा, शिक्षा और संस्कृति पर विशेष ध्यान दिया गया। हमने क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियों पर भी चर्चा की और अपने बहुपक्षीय सहयोग को बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। बैठक के दौरान अपने प्रारंभिक वक्तव्य में डॉ. एस. जयशंकर ने भारत की विदेश नीति में उज़्बेकिस्तान के स्थान को रेखांकित किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट रूप से कहा कि भारत उज़्बेकिस्तान को अपने 'विस्तारित पड़ोस' का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और अभिन्न हिस्सा मानता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध आधुनिक समय में एक मजबूत रणनीतिक साझेदारी का आधार बने हैं। डॉ. जयशंकर ने भारत और उज़्बेकिस्तान के बीच नीतिगत समानताओं का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों ही विकासशील देश हैं और इस नाते अंतरराष्ट्रीय व क्षेत्रीय मुद्दों पर दोनों का दृष्टिकोण बेहद समान है। उन्होंने विशेष रूप से सुरक्षा से जुड़ी बड़ी चुनौतियों का उल्लेख किया। जयशंकर ने कहा कि जब बात आतंकवाद, चरमपंथ (कट्टरवाद) और नशीली दवाओं की अवैध तस्करी जैसे गंभीर मुद्दों की आती है, तो भारत और उज़्बेकिस्तान दोनों एक जैसा रुख साझा करते हैं। इन खतरों से निपटने के लिए दोनों देशों ने खुफिया जानकारी साझा करने और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

दोनों नेताओं ने आपसी द्विपक्षीय व्यापार की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की, जो वर्तमान में लगभग 1 अरब डॉलर के स्तर पर है। दोनों पक्षों ने इस व्यापारिक आंकड़े को और बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। इस बार वार्ता में एक नया आयाम जोड़ते हुए पारंपरिक क्षेत्रों (जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा और डिजिटल तकनीक) के साथ-साथ 'रेयर अर्थ मिनरल्स' (दुर्लभ पृथ्वी खनिज) और खनन के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विशेष रणनीतिक चर्चा हुई।

खातन खेड़ी गांव से निम्बाहेडाखुर्द सड़क मार्ग पर जानलेवा गड्ढे, सड़क निर्माण कार्य अधरझूल में

स्मार्ट हलचल

बनेड़ा । उपखण्ड सर्किल के खातन खेड़ी गांव से निम्बाहेडाखुर्द तक की तीन किलोमीटर सडक निर्माण रास्ते में खातेदारी जमीन आने की वजह से सडक निर्माण का कार्य करीब छह माह से अधर में लटका पडा हुआ है। वर्तमान मे बारिश का मौसम होने के कारण सडक निर्माण के लिए कि गई खुदाई के कारण रास्ते पर जगह जगह पर बड़े बड़े गड्ढे पडे होने के साथ ही उनमे बारिश का पानी जमा हो जाने के कारण लोगों को काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा है। उपरेडा ग्राम पंचायत के खातन खेड़ी गांव से निम्बाहेडाकला पंचायत के निम्बाहेडाखुर्द गांव को जोड़ने वाले तीन किलोमीटर रास्ते पर लगभग 60 लाख की लागत से (मिसिंग लिंक नॉन पैचेबल) सडक स्वीकृत है। जिसमें से दो किलोमीटर तक सडक निर्माण कार्य हो चुका है। शेष सडक निर्माण कार्य खातेदारी जमीन के साथ ही खातनखेडी गांव में आबादी क्षेत्र में अतिक्रमण के कारण अटका हुआ। सडक निर्माण के लिए खुदाई कर देने रास्ते में जगह जगह पर पानी के जमा हो जाने के कारण यहाँ पर से निकलने निकलने वाले वाहन चालकों को काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र सडक निर्माण कार्य को पूरा करवाने की मांग की है। इस रास्ते पर आबादी क्षेत्र में सड़क के दोनों तरफ कच्चे पक्के अतिक्रमणो की भरमार होने से रास्ता सकरा हो जाने से और ज्यादा परेशानियां बढ गई है। इस बाबत कई बार प्रशासन को अवगत करवाने के बाद भी हालात जस के तस बने हुए हैं।

महाराजा श्री अग्रसेन शिक्षा ट्रस्ट कोटा ने 71 भामाशाहों का किया सम्मान

स्मार्ट हलचल

बारां महाराजा श्री अग्रसेन शिक्षा ट्रस्ट द्वारा अग्रवाल सेवा सदन में आयोजित भामाशाह सम्मान समारोह में आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा में सहयोग देने वाले 71 भामाशाहों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि एच.एल. गुप्ता ने कहा कि शिक्षा में सहयोग समाज के भविष्य में निवेश है। अध्यक्ष संदीप चांदीवाला ने कहा कि आर्थिक अभाव किसी भी प्रतिभा की शिक्षा में बाधा नहीं बनना चाहिए, जबकि पंकज गोयल ने समाज से विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए आगे आने का आह्वान किया। ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ. महेंद्र कुमार गर्ग ने बताया कि वर्ष 2023 से अब तक ट्रस्ट 65 से अधिक विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा में आर्थिक सहयोग कर चुका है। समारोह में सीए दिनेश अग्रवाल (दुबई) ने शिक्षा कोष के लिए 5 लाख रुपये तथा एच.एल. गुप्ता ने 1 लाख रुपये देने की घोषणा की। अन्य समाजबंधुओं ने भी सहयोग का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विष्णु प्रकाश मित्तल, शैलेंद्र गुप्ता, सुरेशचंद्र जिंदल, सुरज्ञान गुप्ता, अर्चना जैन, बी.एल. गुप्ता, रमेश स्वर्ण सागर, प्रमोद जी, डॉ. रामावतार अग्रवाल, डॉ. शशी गुप्ता, विजय गुप्ता, अनिल अग्रवाल, त्रिलोक चंद्र गर्ग, राजेश मित्तल एवं सीए देवेंद्र कुमार गर्ग सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

आस्था की डोर से जुड़ेंगे हजारों श्रद्धालु, 20 अगस्त से निकलेगी देवली-कोटड़ी श्याम की 27वीं विशाल पदयात्रा

शुभारंभ से पहले ठाकुरजी के चरणों में समर्पित किया आमंत्रण पत्र, पूजा-अर्चना कर मांगा सफल आयोजन का आशीर्वाद

स्मार्ट हलचल

राजेन्द्र बबलू पोखरना कोटड़ी देवली से कोटड़ी श्याम तक आयोजित होने वाली 27वीं विशाल पदयात्रा को लेकर धार्मिक माहौल बनने लगा है। यात्रा के शुभारंभ से पहले मंगलवार को श्री चारभुजानाथ कोटड़ी पदयात्रा मंडल के पदाधिकारियों ने श्री चारभुजानाथ मंदिर पहुंचकर ठाकुरजी के श्रीचरणों में पदयात्रा का आमंत्रण पत्र समर्पित किया। सामूहिक पूजा-अर्चना और अरदास के साथ यात्रा के निर्विघ्न, सफल एवं मंगलमय संपन्न होने की प्रार्थना की गई। पदयात्रा मंडल के अध्यक्ष रामेश्वर लाल दीया के नेतृत्व में पहुंचे पदाधिकारियों ने विधिवत पूजा कर ठाकुरजी का आशीर्वाद लिया। इस दौरान मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष सुदर्शन गाड़ोदिया, ट्रस्ट पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में

श्रद्धालु मौजूद रहे। दीया ने बताया कि 27वीं विशाल पदयात्रा 20 अगस्त को सुबह 9:15 बजे देवली स्थित श्री चारभुजा मंदिर से रवाना होगी। पहले दिन यात्रा जहाजपुर पहुंचेगी जहां रात्रि विश्राम रहेगा। दूसरे दिन रोपा तथा तीसरे दिन बिरथोल में विश्राम के बाद 23 अगस्त (सावन सुदी ग्यारस) को सुबह 9:15 बजे पदयात्री कोटड़ी कृषि उपज मंडी पहुंचेंगे।जहां मंदिर ट्रस्ट एवं नगरवासियों की ओर से श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके बाद भगवान चारभुजानाथ की शोभायात्रा बैंड-बाजों और जयकारों के बीच नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली जाएगी जो चारभुजानाथ मंदिर पहुंचेगी। मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के बाद अभिजीत मुहूर्त में मंदिर शिखर पर ध्वजारोहण होगा। इस दौरान चारभुजानाथ के जयघोष से पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहेगा। मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष सुदर्शन गाड़ोदिया ने बताया कि पदयात्रियों के लिए पेयजल, प्राथमिक उपचार, विश्राम, मार्गदर्शन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। आयोजन को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस और प्रशासन से भी समन्वय किया गया है। पदयात्रा मंडल ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं, व्यापारियों एवं आमजन से पदयात्रा के स्वागत में सहभागिता निभाने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि देवली से कोटड़ी श्याम की यह पदयात्रा क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है जिसमें हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल चलकर अपनी आस्था व्यक्त करते हैं।

आचार्य पुलकसागर महाराज को राजस्थान सरकार ने घोषित किया 'स्टेट गेस्ट'

चातुर्मास प्रवास के दौरान मिलेगा राजकीय प्रोटोकॉल, सुरक्षा और व्यवस्थाओं के दिए निर्देश

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) भीलवाड़ा में पहली बार चातुर्मास कर रहे राष्ट्र संत मनोज्ञाचार्य पुलकसागर महाराज को राजस्थान सरकार ने राजकीय अतिथि (स्टेट गेस्ट) घोषित किया है। सामान्य प्रशासन विभाग (प्रोटोकॉल) ने जिला प्रशासन और पुलिस को निर्देश जारी कर चातुर्मास अवधि के दौरान राजकीय प्रोटोकॉल के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा है। निर्देशों के अनुसार आचार्यश्री के आगमन, प्रस्थान एवं प्रवास के दौरान प्रोटोकॉल अधिकारी की नियुक्ति के साथ सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाएं भी राजकीय मानकों के अनुरूप उपलब्ध कराई जाएंगी। श्री पुलकसागर चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी और संयोजक मनीष शाह ने आचार्यश्री को स्टेट गेस्ट का दर्जा दिए जाने पर राजस्थान सरकार एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया।

गुरु सम्मान और छात्र अभिनंदन के साथ संस्कारों का संदेश, भाविप भगत सिंह शाखा का प्रेरक आयोजन

गुरु-शिष्य परंपरा के संरक्षण से ही संभव होगा संस्कारवान पीढ़ी का निर्माण : प्रशांत परमार

25 शिक्षकों, 8 मेधावी विद्यार्थियों व 2 सहायक कर्मचारियों का सम्मान, पौध वितरण व वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (पंकज पोरवाल)। भीलवाड़ा। शिक्षा, संस्कार और सम्मान की त्रिवेणी का अनुपम संगम उस समय देखने को मिला जब भारत विकास परिषद, भगत सिंह शाखा, भीलवाड़ा की ओर से आयोजित गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन कार्यक्रम में गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों के योगदान को नमन करने के साथ विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम के तहत पुलिस लाईन स्थित राजकिय विद्यालय के 25 शिक्षकों, 8 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों

तथा 2 सहायक कर्मचारियों का सम्मान किया गया। शिक्षकों का श्रीफल एवं उपरणा ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया, जबकि मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं पदक प्रदान कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की गई। सहायक कर्मचारियों का भी सम्मान कर विद्यालय के संचालन में उनके महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार गग्गड़ तथा विद्यालय प्रशासन को स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य वक्ता प्रशांत परमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरु केवल ज्ञान देने वाले शिक्षक ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, चरित्र और संस्कारों के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अतुलनीय होती है तथा गुरु-शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे नई पीढ़ी तक सहेजकर पहुंचाना सभी का दायित्व है। कार्यक्रम के दौरान किरण सेठी ने भारत विकास परिषद का परिचय देते हुए संगठन की सेवा, संस्कार, समर्पण एवं राष्ट्रीय चेतना से जुड़े विभिन्न सामाजिक कार्यों की जानकारी दी। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए सम्मानित विद्यार्थियों को पौधों का वितरण किया गया तथा विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रकृति संरक्षण और हरित भविष्य के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का सफल संयोजन दीपेश खंडेलवाल ने किया। इस अवसर पर रामपाल सोमानी, प्रदीप व्यास, शिल्पा मुच्छाल, सावन बांगड़, सिद्धार्थ सोमानी, शाखा के कोषाध्यक्ष दीपक कुमार तुरक्या सहित परिषद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ राष्ट्रगान हुआ।

शंभू सेना के साथ सेवा का संकल्प, विशाल स्वैच्छिक रक्तदान 7 को, विधायक कोठारी ने किया पोस्टर का विमोचन

शंभू वैष्णव के जन्मदिवस पर 7 अगस्त को सहयोग सेवार्थ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में होगा विशाल स्वैच्छिक रक्तदान एवं युवा आह्वान कार्यक्रम

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (पंकज पोरवाल)। युवा शक्ति को समाज सेवा और राष्ट्रभक्ति से जोड़ने के उद्देश्य से 7 अगस्त को आयोजित होने वाले विशाल स्वैच्छिक रक्तदान एवं युवा आह्वान कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन भीलवाड़ा विधायक अशोक कुमार कोठारी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में समरसता, एकता और मानवता का संदेश देते हैं तथा युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। यह कार्यक्रम 7 अगस्त 2026, शुक्रवार को प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक विजयवर्गीय भवन, शाला लॉन गार्डन, प्राइवेट बस स्टैंड के पास आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन शंभू सेना एवं सहयोग सेवार्थ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में समाजसेवी युवा नेता शंभू लाल वैष्णव के जन्मदिवस के अवसर पर समाजसेवा के संकल्प के साथ किया जा रहा है। विधायक अशोक कुमार कोठारी ने आयोजकों को अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने युवाओं से अधिकाधिक संख्या में रक्तदान कर मानव सेवा के इस महायज्ञ में

सहभागी बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर शंभू लाल वैष्णव ने कहा कि विधायक कोठारी का स्नेह और मार्गदर्शन सभी युवाओं के लिए जनसेवा, राष्ट्रसेवा और मानवता के पथ पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि ष्एक बूंद रक्त किसी की जिंदगी बचा सकती हैष्, इसी संदेश के साथ युवाओं को सेवा कार्यों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में विभिन्न वार्डों के युवा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इनमें पंकज सालवी, मनीष शर्मा, अभिषेक पाराशर, नरेश राठी, हर्षित जैन, अभिषेक ईरानी, दीपक सोनी, प्रदीप शर्मा, रविंद्र सिंह, आयुष पालीवाल, संजय वैष्णव, लोकेश माली, अंकित शर्मा, अभिनय बंग, हिमांशु पारीक, रौनक मेहता, अशोक सालवी, ओम शर्मा, विकास सोनी, अजय सिंह, आयुष धाकड़ सहित सैकड़ों युवा मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सुंदर लाल बम्बोड़ा, एडवोकेट अर्पित कोठारी, गजेंद्र सिंह राठौड़, सत्यनारायण गूगड़, संजय राठी, कमल कोठारी, राजकुमार ईनाणी, महेंद्र सिंहवी, गिरिंद्र मिश्रा, दिनेश सुथार, प्रिंस जैन, अजय पाराशर, शांतनु सारस्वत सहित अनेक गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने जिले के युवाओं एवं आमजन से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान कर इस सेवा अभियान को सफल बनाने की अपील की।

चार दिन बाद सकुशल लौटा लापता नारायण, 50 हजार नकद और जेवर गायब

जयपुर से रहस्यमयी ढंग से हुआ था लापता, चौमूं पुलिया पर आया होश; पुलिस अब लूट या वारदात के एंगल से करेगी जांच

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । बनेड़ा थाना क्षेत्र के लसाड़िया गांव निवासी नारायण गुर्जर (55) चार दिन बाद सोमवार शाम सकुशल अपने घर लौट आए। हालांकि उनके पास मौजूद 50 हजार रुपये नकद, एक तोले का सोने का नावा और करीब पाव भर चांदी के जेवर गायब मिले, जिससे मामले में लूटपाट की आशंका गहरा गई है। नारायण 31 जुलाई की रात चिड़ावा से लौटते समय जयपुर के सिंधी कैंप से रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता हो गए थे। उनका मोबाइल बंद मिलने और अंतिम लोकेशन जयपुर के सी-स्कीम क्षेत्र में मिलने के बाद परिजनों ने बनेड़ा थाने पर प्रदर्शन किया था, जिसके बाद पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। बताया जा रहा है कि नारायण को होश जयपुर की चौमूं पुलिया पर आया। वहां एक अज्ञात ट्रेलर चालक ने इंसानियत दिखाते हुए उन्हें टोंक-देवली तक पहुंचाया और आगे के सफर के लिए किराया भी दिया। अब पुलिस नारायण के पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद विस्तृत बयान दर्ज कर घटना की परतें खोलने और बदमाशों की तलाश में जुटेगी।

आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बाद भी खामोर सहित दर्जनों गांवों के हजारों वाशिंदों का गांवो में परिवहन सुविधा का सपना अधूरा है

खामोर सहित एक दर्जन से अधिक गांवों की परिवहन व्यवस्था हुई 'लापता'सड़कें बनती रहीं,चुनाव होते रहे, लेकिन गांवों तक नहीं लौटी बसें... फिर चुनाव आने वाले हैं

आजादी के बाद आज तक इन गांवों में में रोडवेज बस नहीं आई,निजी बसे भी 2 दशक से ओझल है।

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा@ देश को आज़ादी के 79 वर्ष होने आए हैं,लेकिन खामोर सहित आस पास के गांवों के हजारों ग्रामीण आज भी नियमित सार्वजनिक बस सेवा जैसी बुनियादी सुविधाओ से वंचित हैं।केन्द्र एवं राज्य की सरकार भले ही शहरों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के लिए नित नई योजनाएं निकालकर गांवों में सुविधा मुहैया कराने के प्रयास कर रहीं हो,लेकिन आज भी कई घनी आबादी एवं बड़े क्षेत्रफल वाले ऐसे गांव हैं,जो मूलभूत सुविधाओं से वंचित है।हम जिस गांव की बात कर रहे वह खामोर हैं,लोकतंत्र में चुनाव हर पांच वर्ष में आते हैं।जनप्रतिनिधि गांव गांव पहुंचते हैं।विकास के वादे किए जाते हैं।नई योजनाओं की घोषणाएं होती हैं।लेकिन भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा-फूलियाकलां क्षेत्र के खामोर सहित दर्जनों गांवों के लिए पिछले करीब 20 वर्षों से सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा आज भी वहीं खड़ा है बस सेवा।चुनाव आते रहे,सरकारें बदलती रहीं,विधायक और सांसद बदलते रहे,लेकिन दर्जनों गांवों के हजारों आबादी को नियमित सार्वजनिक परिवहन आज तक नसीब नहीं हो सका।यह केवल एक बस का मुद्दा नहीं है। यह उस ग्रामीण भारत की कहानी है,जहां विकास के दावे और जमीनी हकीकत आमने-सामने खड़े दिखाई देते हैं।एक समय था जब शाहपुरा-तहनाल-शंभूपुरा-सूरजपुरा-बिलिया-खामोर-नई राज्यास-धनोप-फूलियाकलां-केकड़ी मार्ग पर निजी बसें नियमित रूप से चलती थीं। घरटा-सेमलिया-शाहपुरा-खामोर मार्ग पर भी बसें संचालित होती थीं। भीलवाड़ा और गुलाबपुरा के लिए भी सीधी बस सेवा उपलब्ध थी। इन्हीं बसों से किसान मंडियों तक पहुंचते थे, विद्यार्थी कॉलेज जाते थे, मरीज अस्पताल पहुंचते थे और छोटे व्यापारी अपना कारोबार करते थे।कई लोग जिला मुख्यालय ओर उपखंड तक पहुंचते थे।लेकिन समय के साथ एक-एक कर सभी बसें बंद होती चली गईं। आज पूरे क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन की स्थिति लगभग शून्य है। हजारों लोग निजी वाहनों, महंगे किराए और असुविधाजनक साधनों पर निर्भर हैं। जिन परिवारों के पास निजी वाहन नहीं हैं, उनके लिए शहर तक पहुंचना आज भी बड़ी चुनौती बना हुआ है।सबसे अधिक परेशानी विद्यार्थियों, महिलाओं, बुजुर्गों, मरीजों, दिव्यांगजनों और गरीब परिवारों को उठानी पड़ रही है। उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं को रोजाना अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है। इलाज के लिए जाने वाले मरीजों को समय पर वाहन नहीं मिल पाता। किसानों को मंडियों तक पहुंचने में दिक्कत होती है और छोटे व्यापारियों की आर्थिक गतिविधियां भी प्रभावित होती हैं।विडंबना यह है कि जिस क्षेत्र में विकास की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं,वहीं परिवहन व्यवस्था सिकुड़ती चली गई।कंवलियास से खामोर होते हुए धनोप तक एमडीआर सड़क बन चुकी है। क्षेत्र में गिट्टी क्रेशर संचालित हैं,खनन गतिविधियां हैं और कॉपर माइंस की संभावनाएं भी सामने हैं। इसी मार्ग से प्रसिद्ध त्रिदेव महादेव तथा धनोप शक्तिपीठ जाने वाले हजारों श्रद्धालु हर वर्ष गुजरते हैं। इसके बावजूद बस सेवा बहाल नहीं हो सकी।ग्रामीणों का कहना है कि यदि नियमित बसें शुरू हो जाएं तो गांवों की तस्वीर बदल सकती है।बस स्टैंड फिर आबाद होंगे। छोटे दुकानदारों,सब्जी विक्रेताओं, चाय-नाश्ते की दुकानों,होटल, स्टेशनरी और अन्य व्यवसायों को नया जीवन मिलेगा। युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा और गांवों की आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी।ग्रामीण बताते हैं कि वर्षों से प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समक्ष बस सेवा बहाल करने की चर्चाएं कर मांग रखी जाती रही है।उनका कहना है कि हर चुनाव में विकास की बातें होती हैं,लेकिन परिवहन जैसा मूलभूत विषय हर बार पीछे छूट जाता है। अब जब एक बार फिर चुनावी तैयारियां शुरू हो रही हैं,लोगों की निगाहें इस बात पर हैं कि क्या इस बार यह दो दशक पुरानी मांग पूरी होगी।40 हजार से अधिक लोगों की यह मांग किसी विशेष सुविधा की नहीं,बल्कि समान अवसर की मांग है। सार्वजनिक परिवहन केवल बस नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, व्यापार और सामाजिक विकास की जीवनरेखा है। यदि किसी क्षेत्र को वर्षों तक इससे वंचित रखा जाता है तो उसका असर केवल यात्राओं पर नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के भविष्य पर पड़ता है।खामोर ग्राम पंचायत के अधीन सात राजस्व गांव हैं, इसके साथ ही आसपास के दर्जनों गांवों में आज तक रोडवेज बस की सुविधा नहीं हैं।खामोर गांव के एक तरफ मात्र 7 किमी दूर डाबला गांव से रोडवेज बसे गुजरती है वहीं दूसरी तरफ 8 किमी भीम उनियारा राष्ट्रीय राजमार्ग 148 डी नई राज्यास से बसे गुजरती है ग्रामीणों को बारिश हो या सर्दी या तपती गर्मी में मेहमानों ओर स्कूली बच्चों या जिला अस्पताल जाने वाले लोगों को डाबला से बस या नई राज्यास से शाहपुरा होकर भीलवाड़ा जिला मुख्यालय जाना पड़ता है।इस महंगाई की मार के बीच जहां पेट्रोल महंगा है वहां ग्रामीणों को निजी साधन से जिला मुख्यालय या तहसील मुख्यालय तक जाना पड़ता है जहां एक दिन में आमजन के काम पूरे नहीं होते 2 या तीन चक्कर काटने पड़ते हैं तब जाकर काश्तकारों के काम होते हैं ओर 300 से 400 रुपए पेट्रोल के 2 से 3 बार चक्कर काटने में लग जाते हैं।खामोर गांव के कई बुजुर्गों ने कहा की हमारी उम्र अस्सी से नब्बे वर्ष के आसपास हैं एवं जिंदगी पूरी होने की कगार पर हैं, लेकिन अभी तक हमने गांव में रोडवेज बस को नहीं देखा।ऐसे में हमारा यह सपना आजादी के बाद भी अधूरा है।

भीलवाड़ा में सनसनी : सदर थाना प्रभारी सरकारी आवास में खून से लथपथ मिले

गोली लगने की आशंका, गंभीर हालत में निजी अस्पताल रेफर; पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा, महेंद्र नागोरी । शहर के सदर थाना प्रभारी (पुलिस निरीक्षक) लोकपाल सिंह मंगलवार शाम अपने सरकारी आवास में खून से लथपथ और बेहोशी की हालत में मिले। सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। उन्हें तत्काल महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्रारंभिक जानकारी में गोली लगने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस प्रशासन ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे क्या कारण है, इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गए हैं। लोकपाल सिंह के होश में आने और बयान दर्ज होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम से पर्दा उठने की उम्मीद है। फिलहाल पुलिस ने घटना के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

कारोई-सेथुरिया रोड बना मौत का कुआं...

बारिश में गड्ढे बने स्विमिंग पूल, एंबुलेंस भी फंस रही

PWD और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी से टूटा 5 किमी का मार्ग

स्कूली बच्चे, किसान और मरीज सबसे ज्यादा परेशान

सेथुरिया के मदन गुर्जर : 'आपातकाल में भी घंटों लग जाते हैं'

स्मार्ट हलचल

गुरलाः- विकास के दावों पर पानी फिरा विकसित भारत' और 'सड़क से जुड़ा हर गांव' के बड़े-बड़े दावों के बीच भीलवाड़ा जिले का एक सच आज भी कीचड़ और गड्ढों में फंसा हुआ है। ये सच है कारोई से सेथुरिया को जोड़ने वाली लगभग 5 किलोमीटर लंबी सड़क का। आपके द्वारा भेजी गई तस्वीर इसी सड़क की है। तस्वीर में साफ दिख रहा है कि डामर उखड़ चुका है, जगह-जगह गहरे गड्ढे हैं और उनमें बारिश का गंदा पानी भरा हुआ है। पुलिया के पास की स्थिति तो और भी भयावह है। सड़क के दोनों तरफ की दीवारें टूटी हुई हैं और बीच में पानी का तालाब बन गया है। देखने पर लगता ही नहीं कि ये कोई सड़क है। लगता है जैसे कोई बरसाती नाला हो। मानसून की पहली बारिश ने ही इस सड़क की पोल खोल दी है। अब यहां से गुजरने वाला हर व्यक्ति भगवान का नाम लेकर ही निकलता है। सड़क नहीं, स्विमिंग पूल है हमारी टीम ने जब मौके पर जाकर जायजा लिया तो स्थिति और बदतर मिली। पुलिया के पास का हालः पुलिया के आसपास लगभग 100 मीटर तक सड़क पूरी तरह धंस गई है। डामर के नाम पर सिर्फ कंकड़ और मिट्टी बची है। बारिश का पानी यहां रुक जाता है क्योंकि निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। नतीजा - 1 से 1.5 फीट तक गहरे पानी का जमाव। दोपहिया वाहन चालक तो यहां गिरते-पड़ते नजर आते हैं। किसानों की पीड़ाः इस मार्ग से आसपास के 6-7 गांवों के किसान अपने खेतों पर दिन में दो चार बार आना जाना रहता है ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर निकलना खतरे से खाली नहीं। स्कूली बच्चों की मजबूरीः सेथुरिया और आसपास के गांवों के बच्चे पढ़ने के लिए कारोई जाते हैं। बरसात में उनके जूते-यूनिफॉर्म कीचड़ से सन जाते हैं। कई बार बसें भी इस रास्ते से आने से मना कर देती हैं।

ग्राम पंचायत सेथुरिया के उप सरपंच नश मदन गुर्जर ने गुस्से और दर्द के साथ बताया: एंबुलेंस भी नहींनिकलती

इस मार्ग की सबसे बड़ी त्रासदी आपातकाल में सामने आती है।

साहब, बीमारी-एक्सीडेंट का कोई टाइम थोड़ी होता है ये सड़क नहीं है, ये मौत को दावत देना है। गर्भवती महिला, हार्ट का मरीज, एक्सीडेंट वाला - कोई भी हो, यहां फंसना तय है। हम ग्राम पंचायत व PWD ऑफिस के कही बार चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन कोई सुनता ही नहीं। 'ड्ड

आर्थिक नुकसानः करोड़ों का

ये सिर्फ आवागमन की समस्या नहीं है, ये सीधे लोगों की जेब पर असर डाल रही है।सब्जी, दूध, अनाज समय पर मंडी नहीं पहुंच पाता। आधा रास्ते में खराब हो जाता है।वाहनों की टूट-फूटः हर महीने बाइक, कार, ट्रैक्टर की मरम्मत पर 3-4 हजार का अतिरिक्त खर्च।

जिम्मेदार कौन PWD की लापरवाही स्थानीय लोगों का साफ आरोप है कि विभाग हर साल बजट में 'मरम्मत' के नाम पर पैसा लेता है, लेकिन काम जीरो होता है।

जनप्रतिनिधियों से शिकायत, कोई सुनवाई नहीं गांव वालों ने ग्राम पंचायत सरपंच, पंचायत समिति सदस्य और विधायक को कई बार लिखित और मौखिक शिकायत दी। लेकिन कोई सुनवाई नहीं चुनाव के बाद सब भूल गए। ग्रामीण ने कहा की - 'वोट मांगने आते हैं तो कहते हैं 'सड़क पक्की करवा देंगे'। जीतने के बाद फोन भी नहीं उठाते।'

युवाओं का कहना है - 'अब और नहीं सहेंगे। हमें विकास नहीं चाहिए, हमें बस चलने लायक सड़क चाहिए।'

सड़क अधिकार है, एहसान नहीं एक अच्छी सड़क सिर्फ ईंट-डामर का टुकड़ा नहीं होती। वो जीवन रेखा होती है। उससे बच्चों का स्कूल जुड़ा है, किसान की मंडी जुड़ी है, मरीज का अस्पताल जुड़ा है। कारोई-सेथुरिया की ये सड़क आज चीख-चीख कर बता रही है कि जमीनी स्तर पर विकास के दावे कितने खोखले हैं। फोटो में दिख रहा हर गड्ढा, हर कीचड़ का तालाब सरकार और सिस्टम से सवाल पूछ रहा है। अब जरूरत है तुरंत कार्रवाई की। वरना वो दिन दूर नहीं जब इस सड़क की लापरवाही किसी की जान लेगी। और तब सिर्फ अफसोस और मुआवजे की घोषणा से काम नहीं चलेगा। सरकार से, PWD से और जनप्रतिनिधियों से सेथुरिया कारोई क्षेत्र की जनता की एक ही मांग है - 'हमें भाषण नहीं, सड़क चाहिए।'

ज्योति प्रकाश सोनी प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त

स्मार्ट हलचल

पूर्व सह प्रभारी प्रदेश भाजपा छत्तीसगढ़ भाजपा राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य किसान मोर्चा ज्योति प्रकाश सोनी भीलवाड़ा को कृषि कल्याण नीतियों पर राष्ट्रीय स्तर पर किए उत्कृष्ट कार्यो को देखते हुए आज भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किसान मोर्चा कैलाश चौधरी ने भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा में विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया एवं शीघ्र ही आगामी संगठन कार्यो हेतु निर्देशित कर जुट जाने को कहा आगामी ग्रामीण एवं शहरी चुनावी रणभेरी बजने वाले समय में समस्त कार्यकर्ताओ व जनमानस में पहुचने का संकल्प दिलाया प्रदेश के अन्नदाताओं के हितों की रक्षा, किसान कल्याणकारी योजनाओं के प्रसार और संगठन को बूथ स्तर तक सुदृढ़ करने के लिए पूर्ण निष्ठा, समर्पण और ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे। 'समृद्ध किसान - सशक्त राजस्थान' के संकल्प को साकार करने हेतु कार्य योजना बनाकर गांव ढाणी तक चौपाल लगाकर किसानों तक सरकारी योजनाओं को पहुचाने का काम करेंगे।।

चंवरा के हनुमानजी मंदिर का दानपात्र खोला, निकली 1.23 लाख रुपये से अधिक की राशि

स्मार्ट हलचल

आकोला। रमेश चंद्र डाड मेवाड़ के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री चंवरा के हनुमानजी मंदिर में शुभ अवसर पर मंगलवार दोपहर महाआरती के बाद मंदिर का दानपात्र खोला गया। दानपात्र से कुल 1 लाख 23 हजार 515 रुपये की राशि प्राप्त हुई। दानपात्र खोलने की प्रक्रिया मंदिर निर्माण कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस दौरान मंदिर निर्माण कमेटी के अध्यक्ष बालूराम अहीर, सचिव मदन सुथार, कोषाध्यक्ष सुरेश चंद्र बशेर, उपाध्यक्ष कालूसिंह चौहान, गोपाल गुर्जर, दिनेश पोरवाल, मोहन सिंह, नारायण गुर्जर, नेत्रपाल सिंह, लादू व्यास, लक्ष्मण मेवाड़ा, करण सिंह, अमर सिंह, ताराशंकर जायसवाल, बालूलाल शर्मा, रणजीत प्रजापत सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। मंदिर निर्माण कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि दानपात्र से प्राप्त राशि का उपयोग मंदिर के विकास एवं धार्मिक गतिविधियों के संचालन में किया जाएगा।

प्रशासन ने नहीं सुनी तो युवाओं ने उठाया फावड़ा

25 हजार रुपए जुटाकर 1 किमी सड़क बनाई,वर्षों पुराना श्मशान घाट का रास्ता हुआ कीचड़ मुक्त

स्मार्ट हलचल।

मंगरोप@मुकेश खटीक। ग्राम पंचायत पातलियास के बरसोलिया गांव में वर्षों से श्मशान घाट जाने का रास्ता और मुख्य मार्ग बेहद जर्जर हालत में था।बारिश के दिनों में सड़क पर कीचड़ और गड्ढों के कारण ग्रामीणों का आवागमन मुश्किल हो जाता था।ग्रामीणों ने कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से सड़क निर्माण की मांग की,लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।आखिरकार गांव के युवाओं ने प्रशासनिक इंतजार छोड़कर स्वयं जिम्मेदारी उठाई।सभी ने आपस में सहयोग राशि एकत्रित की और करीब 25 हजार रुपए अपने स्तर पर खर्च कर लगभग 1 किलोमीटर लंबे मार्ग का निर्माण कर उसे कीचड़ मुक्त बना दिया।युवाओं की इस पहल से अब ग्रामीणों को श्मशान घाट तक पहुंचने के साथ-साथ मुख्य मार्ग पर भी आवागमन में काफी राहत मिलेगी।गांव में इस जनसहयोग की पहल की सराहना हो रही है और इसे सामाजिक एकता व जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण माना जा रहा है।इस कार्य में राजू जाट,गोपाल गाड़री,सांवर सालवी,सुनील पुरावत,गोपाल सालवी,सतु वैष्णव,शंकर जाट,सोनू जाट,मनु जाट,रमेश गुर्जर,पप्पू गाड़री,विनोद वैष्णव,देवीलाल गाड़री,रतन गांधी,भेरू जाट,सुरेश जाट,गनु जाट,कमलेश,सादिक,शाहरुख,शहज़ाद और पप्पू भील सहित अनेक युवाओं ने आर्थिक सहयोग और श्रमदान देकर सड़क निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सिंगोली चारभुज माहेश्वरी धर्मशाला समिति के नौ पदाधिकारियों का चुनाव 6 सितंबर को

राजस्थान सहित चार राज्यों के करीब 1,950 सदस्य करेंगे मतदान, तीन वर्ष के लिए चुनी जाएगी नई कार्यकारिणी

स्मार्ट हलचल

आकोला सिंगोली चारभुज माहेश्वरी धर्मशाला समिति के नौ पदाधिकारियों के चुनाव 6 सितंबर 2026 (रविवार) को आयोजित किए जाएंगे। समिति के मंत्री ओमप्रकाश लढ़ा ने बताया कि राजस्थान के लगभग 10 जिलों तथा राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र सहित चार राज्यों के करीब 120 गांवों के लगभग 1,950 सदस्य (मतदाता) मतदान कर नई नौ सदस्यीय कार्यकारिणी का चुनाव करेंगे।

उन्होंने बताया कि निर्वाचित कार्यकारिणी आगामी तीन वर्षों के लिए धर्मशाला समिति का संचालन करेगी तथा लगभग 120 सदस्यों के कार्यकारी मंडल का मनोनयन करेगी। नई समिति धर्मशाला के संचालन, रखरखाव एवं विकास कार्यों की जिम्मेदारी संभालेगी।

सिंगोली चारभुज स्थित यह धर्मशाला माण्डलगढ़ विधानसभा क्षेत्र की सबसे बड़ी माहेश्वरी धर्मशाला मानी जाती है। इसका उपयोग केवल माहेश्वरी समाज ही नहीं, बल्कि विभिन्न समाजों द्वारा मांगलिक, वैवाहिक एवं धार्मिक आयोजनों के लिए भी किया जाता है। वर्तमान समय में जहां निजी रिसोर्ट एवं होटलों का किराया लाखों रुपये तक पहुंच जाता है, वहीं इस धर्मशाला का दो दिन का किराया मात्र 15 हजार रुपये निर्धारित है। धर्मशाला के विकास के लिए निर्वाचित पदाधिकारी समाज के भामाशाहों के सहयोग से राशि जुटाकर विभिन्न निर्माण कार्य करवाते हैं।

वर्तमान में धर्मशाला परिसर में 22 कमरे और तीन हॉल उपलब्ध हैं। इनमें लगभग 10 कमरों में अटैच शौचालय एवं स्नानघर की सुविधा है, जबकि आठ कमरे तथा एक हॉल वातानुकूलित हैं। सिंगोली श्याम मेवाड़ का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है, जहां भगवान चारभुजानाथ का प्राचीन एवं आस्था का केंद्र मंदिर स्थित है।

वर्तमान में पांच सदस्यीय समिति धर्मशाला का संचालन कर रही है। इसमें अध्यक्ष घनश्याम राठी (बड़लियास), उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण (भीलवाड़ा), मंत्री ओमप्रकाश लढ़ा (माल का खेड़ा), कोषाध्यक्ष सतीश सोमानी (बरूंदनी) तथा संयुक्त मंत्री शिवनारायण काबरा (आकोला) शामिल हैं।

समिति ने कार्यों की बढ़ती संख्या, धर्मशाला के चहुंमुखी विकास तथा सभी क्षेत्रों को समान प्रतिनिधित्व देने के उद्देश्य से पदाधिकारियों की संख्या पांच से बढ़ाकर नौ करने का निर्णय लिया है।

राजकीय आईटीआई में अतिथि अनुदेशकों की भर्ती, 17 अगस्त तक करें आवेदन

10 ट्रेडों में अस्थायी नियुक्तियां, 19 अगस्त को होंगे साक्षात्कार CITS उत्तीर्ण व सेवानिवृत्त तकनीकी कार्मिकों को प्राथमिकता

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) भीलवाड़ा ने विभिन्न ट्रेडों में अतिथि अनुदेशकों (Guest Instructors) की अस्थायी नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी अपने बायोडाटा के साथ शैक्षणिक, तकनीकी एवं कार्यानुभव प्रमाण-पत्रों की स्वयं प्रमाणित प्रतियां 17 अगस्त शाम 4 बजे तक संस्थान में जमा करा सकते हैं। उपनिदेशक (प्रशिक्षण) ने बताया कि कोपा, विद्युत, मैकेनिक ट्रैक्टर, मैकेनिक डीजल, मैकेनिक टू एवं थ्री व्हीलर, रेफ्रिजरेशन एंड एसी, स्विंग टेक्नोलॉजी, सोलर टेक्नीशियन, टर्नर और वायरमैन सहित विभिन्न ट्रेडों के लिए भर्ती की जाएगी। पात्र अभ्यर्थियों के साक्षात्कार 19 अगस्त को आयोजित होंगे। उन्होंने बताया कि सीआईटीएस उत्तीर्ण एवं सेवानिवृत्त तकनीकी कार्मिकों को प्राथमिकता दी जाएगी। चयनित अतिथि अनुदेशक नियमित नियुक्ति होने तक सेवाएं देंगे। कार्य संतोषजनक नहीं पाए जाने पर सेवाएं तत्काल समाप्त की जा सकेंगी। नियमानुसार मानदेय देय होगा।

कुंडियाकला में प्रशासक सरपंच पति से मारपीट सचिव से धक्का मुक्की दो आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने की कार्रवाई

स्मार्ट हलचल।

रायला (लक्की शर्मा)।रायला थाना क्षेत्र के कुंडिया कला गांव में मंगलवार को नाले के निर्माण कार्य के दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि प्रशासक सरपंच पति महेंद सिंह के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया। घटना से आक्रोशित ग्रामीण बड़ी संख्या में रायला थाने पहुंचे। महेंद्र सिंह ने रायला थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है प्रशासक सरपंच पति महेंद ने बताया कि नाले के निर्माण को लेकर हुए विवाद के दौरानं प्रकाश दमामी ने सरपंच प्रशासक पति महेंद्र सिंह को फोन कर मौके पर बुलाया था, यह कहते हुए कि नाले का अतिक्रमण को लेकर बातचीत करनी है। महेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे तो वहां दो जेसीबी मशीनें और ग्राम पंचायत सचिव भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि मौके पर प्रकाश दमामी व अशोक दमानी ने सचिव के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे थे वहीं महेंद्र सिंह ने समझाइश का प्रयास किया, लेकिन विवाद बढ़ गया और आरोप है कि अशोक दमानी ने अचानक मारपीट शुरू कर दी। साथ ही सचिव के साथ भी धक्का-मुक्की की गई। रायला थाना पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रकाश दमामी और अशोक दमामी के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 151 के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार आगे भी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद पुलिस की तत्परता से स्थिति नियंत्रण में रही। ग्रामीणों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

भदाली खेड़ा में खेत पर मवेशी चराने गए व्यक्ति पर जानलेवा हमला...

सिर पर कुल्हाड़ी से वार; पीड़ित परिवार ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

स्मार्ट हलचल।

मांडल । जिले के मांडल थाना क्षेत्र के भदाली खेड़ा गांव में अपनी आधा बीघा कृषि भूमि पर मवेशी चराने गए एक व्यक्ति और उसके परिवार पर कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से पत्थरों, लाठियों, कुल्हाड़ी और फावड़े से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके सिर पर कुल्हाड़ी लगने से गहरी चोट आई और 13-14 टांके लगाने पड़े। पीड़ित परिवार ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में परिवाद सौंपा है। पीड़िता मदीना बानू ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे उनके पति सलीम अपने खेत में मवेशी चरा रहे थे। इसी दौरान दो-तीन लोग वहां पहुंचे और आते ही उन पर पत्थर बरसाने लगे। इसके बाद लाठियों, डंडों, फावड़े और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया गया। मदीना बानू का आरोप है कि हमलावरों में शामिल महिला अंजुम बानो ने सलीम के सिर पर कुल्हाड़ी से वार किया, जिससे उनका सिर फट गया और गंभीर चोटें आईं। उन्होंने बताया कि चीख-पुकार सुनकर उनके देवर शाहरुख, ससुर अल्लाह नूर तथा अन्य परिजन मौके पर पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई। आसपास के लोगों के बीच-बचाव के बाद घायल सलीम को पहले भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें एक युवक पर कुछ लोगों द्वारा पहले पत्थर फेंकने और फिर लाठियों-डंडों से हमला करते हुए देखा जा सकता है। घटना के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो जाते हैं और पूरी वारदात कैमरे में कैद हो गई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि मारपीट में शाहरुख और अल्लाह नूर को भी चोटें आईं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हमले में शामिल अंजुम बानो स्वयं को पुलिस अधिकारी (सीआई) बताकर लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देती है और उसके पास कथित रूप से फर्जी पहचान पत्र भी है। मदीना बानू का कहना है कि घटना की शिकायत मांडल थाने में दी गई, लेकिन उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसके बाद मंगलवार को वह अपने परिवार के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचीं और परिवाद देकर निष्पक्ष जांच तथा आरोपियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की।

पीथास में सूने मकान पर धावा, दो लाख के सोने-चांदी के जेवर समेट ले गए चोर

परिवार दूसरे कमरे में सोता रहा, सुबह खुला चोरी का राज; बागोर थाना पुलिस ने शुरू की तलाश

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) जिले के बागोर थाना क्षेत्र के पीथास गांव में अज्ञात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए करीब दो लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पीड़ित परिवार की रिपोर्ट पर बागोर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित भंवरलाल गाडरी पुत्र मगना गाडरी ने रिपोर्ट में बताया कि 3 अगस्त की मध्यरात्रि को अज्ञात बदमाश उसके छोटे भाई चतुर्भुज गाडरी के मकान में घुस गए। चोर कमरे में रखे लोहे के बक्से का ताला तोड़कर एक-एक तोले के सोने के दो सेट, 300 ग्राम चांदी की दो जोड़ी पायजेब तथा आधा तोले का सोने का बाजूबंद सहित करीब दो लाख रुपये के जेवर समेट ले गए। घटना के समय चतुर्भुज घर पर नहीं था, जबकि उसकी पत्नी सीमा देवी और बच्चे दूसरे कमरे में सो रहे थे। मंगलवार सुबह करीब पांच बजे सीमा देवी के जागने पर कमरे और बक्से की हालत देखकर चोरी का पता चला। परिजनों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं मिला। घटना की सूचना पर बागोर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के संदिग्धों से पूछताछ के साथ चोरी के सुराग जुटाने में लगी हुई है।

हरियालो संकुल अभियान

शिक्षामंत्री ने बील का पौधा लगाकर किया अपना संकुल हरियालो संकुल अभियान का शुभारंभ

विद्यार्थियों, शिक्षकों और आमजन से पौधारोपण कर पौधों को वृक्ष बनाने का किया आह्वान

जयपुर(नि.सं.)। शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने मंगलवार को डॉ. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल, राजस्थान में बेलपत्र का पौधा लगाकर अपना संकुल हरियालो संकुल अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक

पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी निभाने की अपील की। शिक्षामंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में प्रदेश में व्यापक स्तर पर पौधारोपण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनाना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आमजन से इस अभियान से जुड़ने और पौधारोपण को जनआंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया। श्री दिलावर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और हरित राजस्थान के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अपना संकुल हरियालो संकुल अभियान के माध्यम से शिक्षा संकुल परिसर को हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के साथ-साथ समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी प्रयास किया जाएगा।

ई-रक्तकोष पोर्टल पर नियमित अपडेट के निर्देश

गंभीर ऑपरेशन के दौरान प्रसूताओं के परिजनों को रक्त के लिए नहीं होना पड़ेगा परेशान

जयपुर(नि.सं.)। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि प्रदेश के सभी राजकीय चिकित्सा संस्थान स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करें तथा प्रत्येक ब्लॉक मुख्यालय पर प्रतिमाह कम से कम एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर पर्याप्त रक्त उपलब्ध रहने से प्रसूताओं के गंभीर ऑपरेशन के दौरान समय पर रक्त मिल सकेगा और रिप्लेसमेंट के लिए उनके परिजनों को अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान प्रमुख शासन सचिव ने निर्देश दिए कि सभी रक्तदान शिविरों में राजकीय ब्लड सेंटर की रक्त संग्रहण टीम के माध्यम से ही रक्त संग्रहण कराया जाए, जिससे संबंधित क्षेत्र में रक्त की उपलब्धता बनी रहे। उन्होंने कहा कि जिन ब्लड बैंकों द्वारा संग्रहित रक्त का अत्यधिक डिस्कार्ड किया जा रहा है, उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी ब्लड सेंटर प्रतिदिन ई-रक्तकोष पोर्टल पर रक्त की उपलब्धता का अद्यतन विवरण अनिवार्य रूप से दर्ज करें, ताकि प्रदेशभर में रक्त भंडार की प्रभावी निगरानी एवं आवश्यकता अनुसार उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। बैठक में प्रमुख शासन सचिव ने बीकानेर, उदयपुर, बांसवाड़ा, जनाना अस्पताल जयपुर, एमडीएम अस्पताल जोधपुर, श्रीगंगानगर तथा एसएमएस अस्पताल जयपुर में दर्ज मातृ मृत्यु के मामलों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित चिकित्सकों के साथ उपचार व्यवस्था एवं प्रोटोकॉल पर चर्चा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए। आदिवासी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएमएचओ) को गर्भवती महिलाओं के बेहतर पोषण एवं नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सभी चिकित्सा संस्थानों में उपलब्ध चिकित्सा उपकरणों की सूची तैयार करने तथा खराब उपकरणों की तत्काल मरम्मत अथवा प्रतिस्थापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। चिकित्सा सेवाओं में उपयोग होने वाली दवाइयों एवं आवश्यक उपभोग्य सामग्री की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। इस संबंध में मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों एवं सीएमएचओ से फीडबैक लेकर राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरएमएससीएल) के प्रबंध निदेशक को आवश्यक निर्देश दिए गए। बरसात के मौसम को देखते हुए प्रमुख शासन सचिव ने जर्जर भवनों में संचालित सरकारी गतिविधियों को तत्काल सुरक्षित भवनों में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि सभी डिलीवरी पॉइंट वाले चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक संसाधन एवं सुविधाएं पूर्ण रूप से उपलब्ध रहें, ताकि गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।बैठक में मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जोगाराम, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त श्री बाबूलाल गोयल, प्रबंध निदेशक आरएमएससीएल श्री पुखराज सैन, अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. नरोत्तम शर्मा, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद मीरा शाखा ने मनाया पर्यावरण दिवस

स्मार्ट हलचल/ रणवीर सिंह चौहान

भवानी मंडी भारत विकास परिषद की मीरा शाखा द्वारा रिद्धि सिद्धि गार्डन में पर्यावरण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। शाखा की मीडिया प्रभारी रीना ओदिच्य ने बताया सदस्यों ने गार्डन में 23 पौध लगाये जिनमें बेलपत्र, शीशम,सागवान, गुड़हल, आम, जामुन, अनार, आंवला, आशापाला जैसे आदि पौधे शामिल थे इस अवसर पर शाखा की अध्यक्ष मालती अग्रवाल ने

कहा कि पेड़ ही जीवन का आधार हैं, अधिक से अधिक पौधे लगाकर ही हम आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य दे सकते हैं। । कार्यक्रम में शाखा की अध्यक्ष मालती अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजेश बिरला, अनीता दयाल, गायत्री सेठिया, आशा पारवानी कविता आहूजा, सोनी माधवानी, पिंकी पामेचा, मंगला दलाल,रुचि गर्ग,सीता खंडेलवाल, मीता आहूजा, अंजू जायसवाल, सुनीता त्रिवेदी जसकौर प्रीत सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं और सभी ने पर्यावरण को स्वच्छ व हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लिया कार्यक्रम के अंत में surprise gift दिया गया जिसमें सीता खंडेलवाल विजेता रही तथा सभी सदस्य को छाछ वितरित की गई !

पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना की अनुशंसा पर कांग्रेस विधि,मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग की लक्ष्मण सिंह सोलंकी ने चित्तौड़गढ़ जिला कार्यकारिणी घोषित की

स्मार्ट हलचल

निंबाहेड़ा (ज़ाकिर हुसैन) राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति अध्यक्ष एवं पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की अनुशंसा पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा,कांग्रेस विधि, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक मनु सिंघवी तथा प्रदेशाध्यक्ष कुलदीप सिंह पूनिया की सहमति से चित्तौड़गढ़ जिला विधि, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग की जिला एवं ब्लॉक स्तरीय कार्यकारिणी की घोषणा की गई। चित्तौड़गढ़ जिला विधि, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग के जिला अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह सोलंकी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों की सूची जारी करते हुए कार्यकारिणी की घोषणा की। घोषित जिला कार्यकारिणी में रामदयाल दाधीच एवं उमेश कुमार आगार को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं सत्यनारायण राव, शिवलाल जाट, सैय्यद फ़िरोज़ अली, अब्दुल कलाम, रेखा कुमावत, अविनाश आमेटा, अनिल चौधरी, श्रृष्टि गर्ग, रुही हसन, सुमित उपाध्यक्ष, अल्ताफ खान पठान एवं जान मोहम्मद शेख़ को जिला महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार तनवीर खान, कमलेश अहीर, जितेन्द्र वर्डिया, चंदा वैष्णव, निलेश कुमार सर्राफ, फारुख मोहम्मद, ज़ाहिद हुसैन, ज़ोरावर सिंह, दीपक लाड़ना, फरहा मंसूरी, मुकेश खटीक एवं रवि छाजेड़ को जिला सचिव नियुक्त किया गया है। कौशल भराड़िया एवं गोपाल सालवी को जिला प्रवक्ता बनाया गया है। बाबूलाल धाकड़ को कार्यालय प्रभारी तथा कमलेश राम डांगी को सोशल मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन विस्तार के तहत इसी क्रम में मोहम्मद नदीम खान को विधि मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग का निम्बाहेड़ा नगर अध्यक्ष तथा अनिल पाटीदार को निम्बाहेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। भूपेंद्र भटनागर को चित्तौड़गढ़ नगर अध्यक्ष एवं ललित जोशी को चित्तौड़गढ़ ब्लॉक अध्यक्ष बनाया गया है। ओमप्रकाश बैरवा को कपासन नगर अध्यक्ष तथा निर्मल मीणा को कपासन ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा लक्ष्मण सिंह झाला (बड़ीसादड़ी ब्लॉक), मुकेश गिरी गोस्वामी (राशमी ब्लॉक), पूनमचंद मेहता (डूंगला ब्लॉक), गोपाल चतुर्वेदी (बेगूं ब्लॉक), नसीम अहमद पठान (पारसोली-गंगरार ब्लॉक) तथा मदन खटीक (भदेसर ब्लॉक) को ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

वरिष्ठ समाजसेवी दुर्गा प्रसाद पारेता का निधन

स्मार्ट हलचल

रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी। भवानी मंडी के वरिष्ठ समाज सेवी दुर्गा प्रसाद पारेता ठेकेदार का आज अचानक हृदयाघात से निधन हो गया स्वर्गीय दुर्गा प्रसाद पारेता ठेकेदार जी के नाम से शहर में जाने जाते थे भवानी मंडी का एक भी सामाजिक संगठन ऐसा नहीं था जिन में उनकी भूमिका नहीं रही हो भवानी मंडी में चाहे सुरक्षा मोर्चा हो चाहे व्यापार महासंघ हो चाहे गौशाला हो या मुक्तिधाम नवनिर्माण समिति हो हर समाज सेवी संगठन में उनकी भूमिका बराबर बनी रहती थी भवानी मंडी में गोपाल गौशाला के निर्माण के समय उनके किए गए प्रयास सराहनीय रहे हैं तथा लगातार कई वर्षों तक वह गौशाला समिति के अध्यक्ष भी रहे इसी तरह भवानी मंडी नागरिक सुरक्षा मोर्चा के गठन में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका भुलाई नहीं जा सकती दुर्गा प्रसाद पारेता इन समाजसेवी संगठनों के अलावा पचपहाड सैयद बाबा उर्स कमेटी के भी वर्षों तक सदर रहे उनके उर्स कमेटी के सदर के कार्यकाल के दौरान उन्होंने शहर में हिंदू मुस्लिम एकता के लिए भी लगातार प्रयास किए इन सभी समाजसेवी संगठनों के अलावा भवानी मंडी स्थापना दिवस आदि ऐसे कई कार्यक्रम होते थे जिनमें हर कार्यक्रमों में उनकी भूमिका सराहनीय रहती थी कोई भी काम का जब वह बीड़ा उठा लेते थे तो उसे काम को पूरा करके ही रुकते थे भवानी मंडी मुक्तिधाम समिति के जब तक वह अध्यक्ष रहे उन्होंने स्थानीय मुक्तिधाम का कायाकल्प कर दिया आज अचानक उनके चले जाने से पूरा शहर स्तब्ध है तथा वह पंक्तियां याद आ रही है बड़े शौक से सुन रहा था जमाना तुम ही सो गए दास्तां कहते कहते आज ठेकेदार जी कि अचानक हुई मृत्यु से शहर का हर नागरिक स्तब्ध है दुखी है

सावर में आज कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन, तैयारियां पूरी; डॉ. रघु शर्मा सहित कई दिग्गज नेता होंगे शामिल

स्मार्ट हलचल

दिलखुश मीना सावर(अजमेर)@केकड़ी विधानसभा क्षेत्र के सावर नगर पालिका मुख्यालय पर बुधवार को कांग्रेस देहात के तत्वावधान में स्थानीय जनसमस्याओं एवं राज्य सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों के विरोध में विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया। पूर्व चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य सागर शर्मा ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आयोजन को लेकर पदाधिकारियों से चर्चा की। अजमेर देहात कांग्रेस के जिला महासचिव एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि धरना-प्रदर्शन के दौरान केकड़ी विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं के साथ-साथ राज्य सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों के मुद्दे प्रमुखता से उठाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में हजारों की संख्या में

कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के शामिल होने की संभावना है। धरना-प्रदर्शन में विकास चौधरी, डॉ. रघु शर्मा, सागर शर्मा सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता भाग लेंगे। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। साथ ही अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से व्यापक जनसंपर्क एवं घर-घर संपर्क अभियान भी चलाया गया है।

डिजिटल साक्षरता एवं वित्तीय प्रबंधन पर तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित

स्मार्ट हलचल

बाड़मेर (चिमु धतरवाल)। ग्रेविस द्वारा यूरोपीय संघ (European Union) के सहयोग से संचालित SABL (Strengthening Agriculture-Based Livelihoods) परियोजना के अंतर्गत ग्राम खारावाला, बाड़मेर में डिजिटल साक्षरता एवं वित्तीय प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में कुल 36 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय, विशेषकर किसानों एवं

महिलाओं, को डिजिटल तकनीकों एवं वित्तीय सेवाओं के प्रभावी उपयोग के प्रति जागरूक करना था। प्रतिभागियों को स्मार्टफोन का प्रभावी उपयोग, यूपीआई एवं डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन बैंकिंग, साइबर सुरक्षा तथा वित्तीय योजना बनाने की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को डिजिटल माध्यमों से मौसम पूर्वानुमान प्राप्त करने, कृषि उपज के दैनिक बाजार भाव जानने, विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं कृषि सलाहकारी सेवाओं तक पहुँच बनाने तथा इनका लाभ उठाने के तरीकों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान यह भी बताया गया कि डिजिटल जानकारी का उपयोग कर किसान मौसम के अनुरूप कृषि कार्यों की बेहतर योजना बना सकते हैं, उचित समय पर अपनी उपज का विपणन कर बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकते हैं तथा आधुनिक वित्तीय सेवाओं के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत बना सकते हैं। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उनकी डिजिटल तकनीकों के प्रति समझ और आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। साथ ही वे अब डिजिटल सेवाओं का सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग कर अपने कृषि कार्य, विपणन तथा घरेलू वित्तीय प्रबंधन को अधिक सुदृढ़ बना सकेंगे। ग्रेविस का उद्देश्य SABL परियोजना के माध्यम से ग्रामीण समुदायों की आजीविका को सशक्त बनाना तथा आधुनिक तकनीकों और वित्तीय समावेशन के जरिए किसानों एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य करना है।

ब्यावर में 6 साल से लापता युवक की तलाश और पीड़ित परिवार को मदद की गुहार, वीर हिंदू आर्मी ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। शहर की बैरवा कॉलोनी (छावनी पावर हाउस के सामने) निवासी एक परिवार पिछले छह वर्षों से असहनीय पीड़ा और आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। लापता बेटे की तलाश और बेसहारा हो चुके परिवार को सहायता दिलाने की मांग को लेकर वीर हिंदू आर्मी के संस्थापक पंकज वर्मा ने मंगलवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि परिवार का सबसे छोटा बेटा करीब 6 साल पहले संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गया था। परिजनों ने पुलिस प्रशासन और कानूनी प्रक्रियाओं का सहारा लिया, लेकिन अब तक युवक का कोई सुराग नहीं लग सका। इस बीच

परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा– एक बेटे की बीमारी से और दूसरे बेटे की सड़क हादसे में मौत हो गई। वर्तमान में परिवार में केवल एक वृद्ध विधवा माँ, दो विधवा बहुएँ और छोटे बच्चे रह गए हैं। आर्थिक स्थिति बेहद खराब होने के कारण वृद्ध माँ और दोनों बहुएँ दूसरों के घरों में बर्तन व कपड़े धोने का काम करके परिवार का पेट पालने को मजबूर हैं।

ज्ञापन में रखी गई प्रमुख मांगें:

विशेष जाँच दल का गठन: 6 साल से लापता युवक का पता लगाने के लिए मामले की उच्चस्तरीय और समयबद्ध जाँच कराई जाए व आवश्यकतानुसार स्ङ्ग्ङ का गठन हो।

पारदर्शिता व अपडेट: पीड़ित परिवार को जाँच की प्रगति से समय-समय पर अवगत कराया जाए।

आर्थिक सहायता व शिक्षा: सरकारी योजनाओं के तहत परिवार को तुरंत आर्थिक मदद दी जाए और बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था जिला प्रशासन स्तर पर सुनिश्चित की जाए। संगठन ने जिला कलेक्टर से मानवीय संवेदनाओं के आधार पर इस मामले में तुरंत कड़े कदम उठाने की अपील की है, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय और संबल मिल सके।

कांग्रेस विधि,मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग की जिला कार्यकारिणी में निंबाहेड़ा को मिला महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व

स्मार्ट हलचल

निंबाहेड़ा (ज़ाकिर हुसैन) कांग्रेस विधि, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग की चित्तौड़गढ़ जिला, नगर एवं ब्लॉक कार्यकारिणी में निंबाहेड़ा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलने से स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। घोषित नियुक्तियों के अनुसार मोहम्मद नदीम खान को निंबाहेड़ा नगर अध्यक्ष तथा अनिल पाटीदार को निंबाहेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं जिला कार्यकारिणी में अब्दुल कलाम, अनिल चौधरी एवं रुही हसन को जिला महासचिव बनाया गया है। इसी प्रकार मुकेश खटीक,रवि छाजेड़, दीपक लाड़ना एवं फरहा मंसूरी को जिला सचिव, कौशल भराड़िया को जिला प्रवक्ता, बाबूलाल धाकड़ को कार्यालय प्रभारी तथा कमलेश डांगी को सोशल मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति अध्यक्ष एवं पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना, प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व तथा कांग्रेस विधि, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा दिए गए दायित्वों का पूरी निष्ठा, सक्रियता एवं जवाबदेही के साथ निर्वहन करते हुए कांग्रेस की विचारधारा, संवैधानिक मूल्यों, मानवाधिकार संरक्षण, विधिक जागरूकता तथा सूचना के अधिकार से जुड़े जनहित कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

जयश्री शर्मा ने पीएचडी की अंतिम परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की

स्मार्ट हलचल

जयपुर, महात्मा ज्योतिराव फुले विश्वविद्यालय, जयपुर में श्रीमती जयश्री शर्मा ने प्रबंधन (मैनेजमेंट) विषय के अंतर्गत समेकित बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) पर अपने शोधकार्य की अंतिम परीक्षा (वाइवा) सफलतापूर्वक पूर्ण कर पीएचडी की अंतिम औपचारिकता पूरी कर ली। यह शोधकार्य विश्वविद्यालय के शोध निर्देशक श्री मनीष शर्मा के मार्गदर्शन में लगभग चार वर्षों की सतत मेहनत, अध्ययन और शोध के बाद पूर्ण हुआ। अंतिम परीक्षा में राजस्थान विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. मंजू

जैन ने बाह्य विशेषज्ञ (एक्सटर्नल एग्जामिनर) के रूप में भाग लिया। इस दौरान जयश्री शर्मा ने अपने शोधकार्य का विस्तृत प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) दिया, जिसकी विशेषज्ञों एवं उपस्थित शिक्षाविदों ने सराहना करते हुए शोध की गुणवत्ता की प्रशंसा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से शोध निर्देशक मनीष शर्मा, अनिता सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही जयश्री शर्मा के परिवारजन भी इस गौरवपूर्ण अवसर के साक्षी बने। पीएचडी की अंतिम परीक्षा सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर जयश्री शर्मा ने अपने शोध निर्देशक, विश्वविद्यालय प्रशासन, विशेषज्ञों, शिक्षकों तथा परिवारजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के मार्गदर्शन, सहयोग और प्रोत्साहन से ही यह उपलब्धि संभव हो सकी।

ब्यावर में 'ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूजडे' अभियान

चुपचाप रहना नहीं है, गलत स्पर्श को सहना नहीं है' संदेश के साथ विद्यालयों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ब्यावर के तत्वावधान में मंगलवार को जिले के विभिन्न विद्यालयों में 'ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूजडे' अभियान के अंतर्गत विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को शोषण के खिलाफ आवाज उठाने, खुद की सुरक्षा करने और बाल यौन अपराधों से संरक्षण कानून (पोक्सो एक्ट) के प्रति जागरूक करना था। शिविरों के दौरान सोनल पारीख, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ब्यावर ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, अंधेरी देवरी एवं नरबदखेड़ा में विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने बच्चों को 'गुड टच-बैड टच', पोक्सो अधिनियम-2012, दुर्व्यवहार

की पहचान, शिकायत प्रक्रिया और निःशुल्क विधिक सहायता सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा गया कि किसी भी अनुचित व्यवहार या असुरक्षित स्थिति में तुरंत अपने माता-पिता, शिक्षक, पुलिस या किसी विश्वसनीय व्यक्ति को सूचित करें। कार्यक्रम के तहत जिले के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अनीता शर्मा, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेटगण पंकज सांखला, प्रवीण चौहान, प्रवीण शंकर, मोनिका चौधरी तथा न्यायिक मजिस्ट्रेटगण हर्षित शर्मा, राघवेन्द्र दाधीच, लक्ष्या वाधवा एवं अमन तेंगुरिया ने भी विभिन्न स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

हेल्पलाइन नंबरों की दी गई जानकारी

विद्यार्थियों को संकट के समय तुरंत सहायता प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित आपातकालीन नंबर साझा किए गए:

चाइल्ड हेल्पलाइन: 1098
नालसा हेल्पलाइन: 15100
महिला हेल्पलाइन: 181
पुलिस सहायता: 100 एवं 112

पौधारोपण एवं नारी संवाद कार्यक्रम

जागरूकता शिविर के साथ ही सोनल पारीख द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नरबदखेड़ा में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके अलावा, ग्राम पंचायत नरबदखेड़ा में 'नारी संवाद एवं कम्युनिटी मिडिएशन' कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें ग्रामीणों को मध्यस्थता, महिलाओं के अधिकारों और राज्य सरकार की निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं से अवगत कराया गया।

धुवां खुर्द में पेयजल संकट गहराया ग्रामीण 2 किमी दूर से ला रहे पानी, अवैध कनेक्शनों से आपूर्ति बाधित

स्मार्ट हलचल

अविनाश मीणा घाड़ (देवली), टोंक घाड़ ग्राम पंचायत के धुवां खुर्द गांव में बीसलपुर पेयजल योजना का पानी नहीं पहुंचने से गंभीर पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रामीण अपनी प्यास बुझाने के लिए प्रतिदिन दो किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि बीसलपुर

योजना की मुख्य पेयजल लाइन घाड़ कस्बे के बीच से गुजरती है। यहां से स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में अवैध कनेक्शन ले रखे हैं। इन अवैध कनेक्शनों के कारण धुवां खुर्द गांव तक पानी का दबाव नहीं पहुंच पाता, जिससे नल सूखे रहते हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, इस समस्या के बारे में पिछले कई सालों से बीसलपुर प्रोजेक्ट के अधिकारियों को लगातार सूचित किया जा रहा है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने क्षेत्र के विधायक राजेंद्र गुर्जर को भी ज्ञापन सौंपा था, फिर भी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। समस्या से परेशान ग्रामीणों ने प्रशासन और सरकार से तत्काल कदम उठाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में महेंद्र मीणा, बुद्धि प्रकाश यादव, शिवराज बैरवा, पप्पू यादव, रामसागर बैरवा, बुद्धि प्रकाश बैरवा, बेनी यादव, कीमतराज और रामरख सेन सहित कई ग्रामीण शामिल थे। ग्रामीणों ने इस समस्या के दो प्रमुख समाधान सुझाए हैं। पहला, बीसलपुर पेयजल योजना की नई लाइन को घाड़ कस्बे के बाहर से बिछाया जाए, जिससे पानी की चोरी और अवैध दोहन रोका जा सके। दूसरा, धुवां खुर्द गांव में एक अलग जल संग्रहण टंकी (CWR/OHSR) का निर्माण किया जाए ताकि गांव को नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित हो सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्या का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो वे बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाले राहुल शर्मा का भव्य नागरिक अभिनंदन, शहरवासियों ने किया सम्मान

स्मार्ट हलचल

गंगापुर सिटी मदन मोहन गर्ग। सर्बिया में आयोजित पैरा शूटिंग प्रतियोगिता 2026 में 10 मीटर एयर राइफल (स॥1) स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतकर देश और गंगापुर सिटी का नाम रोशन करने वाले नसिया कॉलोनी निवासी राहुल शर्मा पुत्र गोपाल शर्मा का मंगलवार को रूकमणि पैलेस में भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्राह्मण समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. हेमंत शर्मा, गोपाल शर्मा, कोच सचिन शेखावत, निवर्तमान सभापति शिवरतन अग्रवाल एवं प्रधान मंजू गुर्जर

मंचासीन रहे। सामाजिक कार्यकर्ता धनेश शर्मा ने बताया कि दिव्यांग सेवा सक्षम टीम, भारतीय जनता पार्टी गंगापुर सिटी, मानव सेवा संस्थान, क्रिकेट संघ जिला सवाई माधोपुर, अग्रवाल समाज, वजीरपुर ब्राह्मण समाज, गंगापुर सिटी ब्राह्मण समाज, नसिया कॉलोनी विकास समिति एवं मित्र मंडल सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों ने राहुल शर्मा का साफा व माल्यार्पण कर भव्य सम्मान किया। इस अवसर पर मानसिंह गुर्जर, शिवरतन अग्रवाल, मंजू गुर्जर एवं सचिन शेखावत ने राहुल शर्मा की उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि शारीरिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने युवाओं से राहुल शर्मा से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कोच सचिन शेखावत ने राहुल की प्रतिभा और शूटिंग के प्रति उनकी लगन को अद्वितीय बताया। राहुल शर्मा के पिता गोपाल शर्मा ने कहा कि जन्मजात दिव्यांग होने के बावजूद राहुल ने बचपन से ही शूटिंग के प्रति रुचि दिखाई और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीतकर परिवार एवं शहर का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं राज्य सरकार के मंत्रिमंडल का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. हेमंत शर्मा ने राहुल शर्मा एवं उनके परिवार को शुभकामनाएं देते हुए सभी आगंतुकों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन डी.के. शर्मा (गार्ड) ने किया। समारोह में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य राजकुमार उपाध्याय, जितेंद्र उपाध्याय, सूर्यप्रकाश शर्मा, महेंद्र दीक्षित, सुरेशचंद शर्मा, शैलेन्द्र शर्मा (महूकला), रजत शर्मा, मिथिलेश व्यास, धनेश शर्मा, कीर्ति शर्मा, सावित्री शर्मा, डॉ. सरिता बंसल, सुधा गुप्ता, राधा दीक्षित, कृपाशंकर उपाध्याय, गौरव मंगल, गोविंद गुप्ता, रामबाबू शर्मा, वेदप्रकाश शर्मा, शुभम शर्मा, गोविंद पाराशर (महू), विकास शुक्ला सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, प्रबुद्धजन एवं बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे।

हिंडौन की बदहाली पर फूटा जनाक्रोश: पानी भरे रास्ते से निकली अर्थी, लोगों ने नेताओं को घेरा

ये शहर के विकास की अर्थी है - गुस्साए लोग

स्मार्ट हलचल

अजीम खान चिनायटा हिंडौनसिटी। बरसात में जलभराव और टूटी सड़कों के कारण हिंडौन की बदहाल स्थिति एक बार फिर सामने आ गई। शहर में एक शवयात्रा को पानी में डूबी सड़क से होकर ले जाना पड़ा। तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधियों व प्रशासन पर शहर की दुर्दशा का आरोप लगाते हुए कहा कि 'ये किसी एक व्यक्ति की अर्थी नहीं है, बल्कि हिंडौन सिटी के नाम के पीछे लगे 'सिटी' की अर्थी है। ये शहर के युवाओं के भविष्य और रोजगार के सपनों की अर्थी है। लोगों का कहना है कि चुनाव के समय विकास के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन धरातल पर कुछ नहीं दिखता। भ्रष्टाचार और लापरवाही के कारण शहर की सड़कें और नालियां हर बारिश में तालाब बन जाती हैं। आम आदमी को तो दिक्कत होती ही है, अंतिम यात्रा तक के लिए रास्ता नहीं मिल पा रहा। सोशल मीडिया पर लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर शहर की ये हालत कब सुधरेगी?

स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि तुरंत शहर की नालियों और सड़कों की सफाई व मरम्मत करवाएं, ताकि आगे किसी को इस तरह परेशान न होना पड़े। नगरवासियों ने कहा कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो जनआंदोलन किया जाएगा।

लायंस क्लब ने आयुर्वेदिक काढ़ा वितरण और वृहद पौधारोपण से लायंस क्लब ने दिया स्वास्थ्य-हरियाली का संदेश

लांयस क्लब कोटा ने रोपे 51 पौधे,250 मरीजो को औषधीय जड़ी-बूटियों काढा पिलाया

स्मार्ट हलचल

कोटा। जनस्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामाजिक दायित्व निभाते हुए लायंस क्लब कोटा ने डिस्ट्रिक्ट 3233 E2 की वार्षिक थीम फ्लाईट फॉर ड्रीम के अंतर्गत दाऊदयाल जोशी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय, तलवंडी में आयुर्वेदिक काढ़ा वितरण एवं वृहद पौधारोपण अभियान आयोजित किया। कार्यक्रम के माध्यम से मौसमी बीमारियों से बचाव और हरित वातावरण के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया। चिकित्सालय के प्राचार्य डॉ. नित्यानंद ने क्लब सदस्यों का स्वागत करते हुए उन्हें आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय का भ्रमण कराया। उन्होंने औषधीय जड़ी-बूटियों से तैयार आयुर्वेदिक दवाओं की निर्माण प्रक्रिया, प्रयोगशाला की कार्यप्रणाली तथा पारंपरिक एवं वैज्ञानिक पद्धतियों की जानकारी दी। क्लब अध्यक्ष रमेश शर्मा ने बताया कि सेवा के साथ स्वास्थ्य जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण क्लब की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से लगभग 250 मरीजों तथा चिकित्सालय के मेडिकल स्टाफ को औषधीय जड़ी-बूटियों से तैयार विशेष आयुर्वेदिक काढ़ा वितरित किया गया। सचिव लक्ष्मीकांत पारीक ने बताया कि कार्यक्रम के दूसरे चरण में ग्रीन एटीएम अभियान के तहत चिकित्सालय परिसर में 51 पौधो का रोपण किया गया। डॉ. रेवती रमण पारीक व डॉ. इमरान के सहयोग से आयोजित इस अभियान में क्लब सचिव लायन लक्ष्मीकांत पारीक ने कहा कि पौधारोपण आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करने का संकल्प है। अभियान में प्रमिला पारीक, शरद चंद्र जैन, विजय काबरा, वीरेंद्र विजय, विनोद अजवानी सहित अनेक सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

कानपुर में गुरु गोविंद सिंह पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में फजलगंज थाना घेरकर बवाल, एफ आई आर दर्ज

स्मार्ट हलचल

सुनील बाजपेई कानपुर। आज मंगलवार को यहां सिख समाज के लोगों ने फजलगंज थाना घेरकर जबरदस्त बवाल किया। इसकी वजह बनी गुरु गोविंद सिंह पर कथित अभद्र टिप्पणी, जिसके विरोध में ही सिख समाज का आक्रोश फूट पड़ा। सिख संगठनों के पदाधिकारियों और लोगों ने फजलगंज थाने का घेराव कर सड़क जाम कर दिया। इस बीच प्रदर्शनकारियों ने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी भी की। सिख समाज के सैकड़ो लोगों द्वारा फजलगंज थाने के सामने लगाए गए इस भीषण जाम के चलते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। वहीं दूसरी दशमेश परिवार संस्था के पदाधिकारी रमिंदर सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि अजय सिंह नामक व्यक्ति ने शास्त्री नगर निवासी रेस्टोरेंट संचालक हरप्रीत सिंह को फोन कर गुरु गोविंद सिंह के संबंध में अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया। इसी बवाल के क्रम में बातचीत का कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सिख समाज में आक्रोश फैल गया। इसी घटना के विरोधमें आज मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में सिख संगठन के पदाधिकारी और समाज के लोग फजलगंज थाने पहुंच बाहर सड़क जाम कर नारेबाजी की और कहा कि गुरु महाराज का अपमान किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कथित ऑडियो की पेनड्राइव पुलिस को साक्ष्य के रूप में सौंपते हुए मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की। फिलहाल गुरु गोविंद सिंह पर अवध टिप्पणी के विरोध मेंपैदासिक समाज में आक्रोश को देखते हुए कई थानों का फोर्स भी मौके पर पहुंचा। पुलिस ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है।

श्रावण के पहले सोमवार को ऋण मुक्तेश्वर महादेव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा, भरत सोनी परिवार ने चढ़ाई 52 हज़ार की ध्वजा

स्मार्ट हलचल

बन्शीलाल धाकड़ राजपुरा बड़ीसादड़ी। पवित्र श्रावण मास के प्रथम सोमवार (3 अगस्त 2026) को क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। इस पावन अवसर पर स्थानीय प्रतिष्ठित व्यावसायिक संस्थान 'भरत ज्वैलर्स' के संचालक भरत सोनी (पिता गोपाल सोनी, जारोरा) ने भगवान श्री भोलेनाथ जी की असीम कृपा से नव निर्मित श्री ऋण मुक्तेश्वर महादेव जी मंदिर के शुभारंभ एवं भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में सपरिवार भाग लिया।धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला में आयोजित मंदिर की ध्वजा चढ़ाने का दुर्लभ और पावन सौभाग्य भरत सोनी एवं उनके परिवार को प्राप्त हुआ। इस विशेष ध्वजा की बोली 52,000 रुपये में संपन्न हुई। श्रावण मास के पहले ही सोमवार को मिले इस पुण्य अवसर को सोनी परिवार ने अपना परम सौभाग्य बताया।प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान मुख्य यजमान परिवार सहित उपस्थित श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में भगवान महादेव, प्रथम पूज्य गणेश जी, माता पार्वती, कार्तिकेय जी, नंदी महाराज एवं कच्छप (कछुआ) भगवान की विधि-विधान से विशेष पूजा-अर्चना कर महाआरती की। इस दौरान पूरा माहौल शिवमय और भक्तिमय भजनों से गुंजायमान हो उठा। धार्मिक कार्यक्रम के समापन पर विशाल भोजन प्रसादी का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया।

खुशियों ने थामा विशेष बच्चों का हाथ, रोटरी क्लब पद्मिनी की पहल बनी मिसाल

रोटरी क्लब पद्मिनी ने विशेष बच्चों के चेहरों पर बिखेरी मुस्कान

पिकनिक नहीं, संवेदनाओं का उत्सव; रोटरी क्लब पद्मिनी ने 280 विशेष बच्चों संग बांटी खुशियां

स्मार्ट हलचल

कोटा। सामाजिक उत्तरदायित्व की मिसाल पेश करते हुए रोटरी क्लब पद्मिनी ने मूक-बधिर एवं दृष्टिबाधित संस्थान के 280 विशेष बच्चों के लिए एक यादगार पिकनिक का आयोजन कर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी। झालावाड़ रोड स्थित मूक-बधिर विद्यालय से बच्चों को बसों के माध्यम से थेगड़ा स्थित वाटर पार्क ले जाया गया, जहां दिनभर खेल, मनोरंजन, सांस्कृतिक गतिविधियों और जल क्रीड़ाओं के बीच बच्चों ने खुलकर आनंद लिया। पूरा परिसर उनकी खिलखिलाहट और उत्साह से गूंज उठा। क्लब अध्यक्ष दीप्ति राजावत ने कहा कि यह आयोजन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि विशेष बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने, उन्हें अपनापन देने और यह एहसास कराने का प्रयास था कि वे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। क्लब सचिव डॉ. प्रीति शर्मा ने बताया कि बच्चों के लिए भोजन, मनोरंजन और सुरक्षा सहित सभी व्यवस्थाएं विशेष रूप से की गईं, ताकि वे बिना किसी संकोच के पूरे दिन का आनंद उठा सकें। उन्होंने कहा कि कई बच्चे अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाते, लेकिन उनकी चमकती आंखें, मासूम मुस्कान और उत्साह स्वयं इस पहल की सफलता की कहानी कह रहे थे। क्लब का उद्देश्य केवल एक दिन की पिकनिक आयोजित करना नहीं, बल्कि इन बच्चों को ऐसे अनमोल पल देना था, जिन्हें वे लंबे समय तक संजोकर रखें। इस सेवा अभियान को सफल बनाने में दीप्ति राजावत, डॉ. प्रीति शर्मा, मंजू यादव, सोनिया लखोटिया, रंजना सेठी, अमिता माहेश्वरी, संगीता काबरा, सुमन साबू, सपना सोनी और ज्योति बिहानी सहित क्लब की सभी सदस्याओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि समाज में समावेश, संवेदनशीलता और सेवा ही सच्चे सामाजिक सरोकारों की पहचान हैं।

हरनावदाशाहजी थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातों से दहशत, सालरखो गांव में सेंधमारी कर नगदी व पोस्ता दाना ले उड़े चोर

स्मार्ट हलचल

संजय चौरसिया हरनावदाशाहजी थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती नजर आ रही हैं, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बनता जा रहा है। ताजा मामला सालरखो गांव का है, जहां सोमवार देर रात अज्ञात चोरों ने एक मकान की दीवार में सेंध लगाकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सालरखो निवासी सुरेश लोधा के घर में चोरों ने पिछवाड़े की दीवार तोड़कर प्रवेश किया। घटना के समय घर के सदस्य गर्मी के कारण बाहर बरामदे में सो रहे थे। कूलर और पंखों की आवाज का फायदा उठाते हुए चोरों ने चुपचाप घर में घुसकर करीब 65 हजार रुपए की नगदी और लगभग 15 किलो डोडा पोस्त (पोस्ता दाना) चोरी कर लिया। चोरों ने घर में रखे कपड़े और अन्य सामान को पास के खेत में फेंक दिया, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि उन्होंने केवल कीमती सामान को ही निशाना बनाया। सुबह जब परिवार के लोग जागे तो घटना का पता चला, जिसके बाद तुरंत पुलिस थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। ग्रामीणों के अनुसार इससे पहले भी इसी गांव में एक अन्य मकान के पीछे की दीवार में सेंधमारी का प्रयास किया गया था, हालांकि उस समय चोरों को सफलता नहीं मिली। ग्रामीण चंदमोहन लववंशी ने बताया कि गांव में इस प्रकार की यह पहली बड़ी चोरी की घटना है, जिससे लोगों में डर और आक्रोश दोनों देखने को मिल रहे हैं। लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं को देखते हुए ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इन वारदातों का खुलासा नहीं किया गया तो क्षेत्र में असुरक्षा की भावना और बढ़ सकती है। पुलिस से अपेक्षा की जा रही है कि वह जल्द ही आरोपियों का पता लगाकर चोरी का खुलासा करे और क्षेत्र में गश्त बढ़ाकर ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाए।

उनियारा में गरीब मजदूर के घर में आधी रात को सेंध, सवा लाख के जेवरात-नकदी ले उड़े चोर, परिवार सोता रह गया

स्मार्ट हलचल

महेंद्र कुमार सैनी नगर फोर्ट उनियारा शहर के टोंक रोड स्थित वार्ड नंबर 2 में रविवार देर रात चोरी की घटना सामने आई। अज्ञात चोरों ने एक मजदूर के घर के दरवाजे की कुंडी तोड़कर करीब 1.25 लाख रुपये के जेवरात, नकदी और घरेलू सामान चोरी कर लिया। घटना के समय परिवार घर में सो रहा था।

पीड़ित धनराज सैनी पुत्र हरदेव माली ने बताया कि वह मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता है। रविवार रात परिवार घर में सोया हुआ था। देर रात अज्ञात चोर मुख्य दरवाजे की कुंडी तोड़कर अंदर घुसे और कमरे में रखे दो बक्सों के ताले तोड़कर सामान बिखेर दिया।चोर घर से एक सोने का लॉकेट, सोने का मंगलसूत्र, चांदी की पायजेब, चांदी का सिक्का, बच्चे के चांदी के कडुले, एक चांदी की चेन, एक मोबाइल फोन, 5 हजार रुपये नकद, दो साड़ियां, दो साफे और अन्य सामान ले गए। पीड़ित के अनुसार कुल नुकसान लगभग 1 लाख 25 हजार रुपये है। चोर कमरे में लगा बिजली का बल्ब भी खोलकर ले गए।सुबह जागने पर सामान बिखरा मिला और बक्सों से जेवरात-नकदी गायब देख परिजनों को घटना का पता चला। सूचना पर उनियारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय लोगों में रोष है। लोगों ने रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

चारागाह भूमि पर अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

पुनर्वास से पहले नहीं हटाए जाएं घुमंतू परिवार:पंचायती राज मंत्री

जयपुर(नि.सं.)। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने शासन सचिवालय स्थित पंचायती राज विभाग के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए विभागीय कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पंचायती राज राज्य मंत्री श्री ओटाराम देवासी भी बैठक में उपस्थित रहे।

चारागाह भूमि पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं, 15 दिन में हटाएं कब्जे

मंत्री श्री दिलावर ने अधिकारियों को निर्देश

दिए कि चारागाह भूमि पर किए गए अतिक्रमणों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी अतिक्रमणकारियों को 15 दिवस के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी किए जाएं। निर्धारित अवधि में अतिक्रमण नहीं हटाने पर उनके विरुद्ध नियमानुसार एफआईआर दर्ज कराते हुए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जो अधिकारी समय पर अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज नहीं कराएंगे, उनके विरुद्ध भी नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अतिक्रमण के विरुद्ध की गई कार्रवाई को प्रभावी ढंग से सार्वजनिक किया जाए।

जयपुर में न्यूमिक्रॉन 2026 रीजनल एबाकस चैंपियनशिप

600 से ज्यादा स्टूडेंट्स ने मेंटल मैथ्स, फास्ट कैलकुलेशन और एबाकस स्किल्स में दिखाया अपना टैलेंट

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर के दुर्गापुरा स्थित जीपी बिरला ऑडिटोरियम में न्यूमिक्रॉन-2026 रीजनल एबाकस चैंपियनशिप हुई। नियो-बीड्स एबाकस की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में राजस्थान सहित कई शहरों से आए 5 से 14 साल के 600 से अधिक स्टूडेंट्स ने पार्टिसिपेट किया।

स्टूडेंट्स ने मेंटल मैथ्स, फास्ट कैलकुलेशन और एबाकस स्किल्स में अपना टैलेंट दिखाया। अलग-अलग कैटेगरी में हुई प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी, मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

मेंटल मैथ्स और एबाकस स्किल्स में दिखाया टैलेंट

चैंपियनशिप का नेतृत्व नियो-बीड्स एबाकस की फाउंडर विजेता माहेश्वरी, को-फाउंडर प्रियंक गुप्ता और डायरेक्टर परितोष इन्टोदिया ने किया। प्रतियोगिता में अलग-अलग एज ग्रुप और लेवल के मुकाबले हुए, जिनमें बच्चों ने कम समय में सटीक गणना कर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

लगातार फैल रही वॉशिंगटन के जंगल में लगी भीषण आग

8,000 एकड़ क्षेत्र खाक

600 से ज्यादा इमारतें तबाह

● वॉशिंगटन / आरएनएन

अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य के स्पोकेन काउंटी में लगी भीषण जंगल की आग लगातार फैल रही है। मंगलवार तक आग 8,000 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में पहुंच चुकी थी, जबकि इसे पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सका था। आग के कारण हजारों लोगों को अपने घर खाली करने पड़े हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, अब तक 600 से ज्यादा इमारतें जलकर नष्ट हो चुकी हैं। नुकसान का वास्तविक आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है, क्योंकि कई प्रभावित इलाकों में जांच जारी है। यह आग ओल्ड ट्रेल्स, फेयरव्यू और ऑटम लेन क्षेत्रों में लगी अलग-अलग आग के एक साथ मिल जाने से विकराल रूप ले चुकी है। सूखा मौसम, तेज हवाएं और सूखी वनस्पति आग के तेजी से फैलने की बड़ी वजह बनी हैं।

आग की चपेट में आने से सैकड़ों परिवारों को छोड़ना पड़ा अपना घर

आग की चपेट में आए इलाकों से कई परिवारों को अपना घर छोडना पड़ा है। राहत टीमें प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और जरूरी सहायता उपलब्ध कराने में लगी हैं। अधिकारियों के अनुसार, जंगल की आग के तेजी से फैलने के पीछे सूखा मौसम और तेज हवा मुख्य कारण हैं। सूखे पेड़-पौधे और घास आग को तेजी से फैलने में मदद करते हैं, जबकि हवाएं इसे नए इलाकों तक पहुंचा देती हैं। वॉशिंगटन में लगी यह आग अब भी बड़ी चिंता बनी हुई है। प्रशासन और दमकल टीमें इसे नियंत्रित करने के प्रयासों में जुटी हैं, लेकिन मौसम की स्थिति फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है।

दमकल टीमें जुटीं, मौसम बना चुनौती

दमकल विभाग की टीमें लगातार आग बुझाने में जुटी हैं, लेकिन खराब मौसम और तेज हवाओं के कारण हालात चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। सोमवार तक आग पर नियंत्रण का स्तर शून्य प्रतिशत था, यानी इसके किसी भी हिस्से को पूरी तरह रोका नहीं जा सका था। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

फ्रांस में मिले वर्ल्ड वार-2 के 400 से ज्यादा गोले

नई दिल्ली, आरएनएन। फ्रांस के ले पोर्ज गांव में जंगल की भीषण आग के बाद जमीन के नीचे दबे द्वितीय विश्व युद्ध के 400 से ज्यादा गोले और विस्फोटक मिले हैं। जुलाई में लगी आग के दौरान करीब 3,500 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया था। आग बुझने के बाद जांच के दौरान अधिकारियों को पुराने हथियार मिले। तेज गर्मी के कारण कुछ गोले फट गए थे, जिससे उनके बारे में पता चला। इसके बाद बम निरोधक टीम ने इलाके को सुरक्षित कर सभी विस्फोटकों को हटाया। अधिकारियों के मुताबिक, मिले गोले फ्रांस और जर्मनी के मोर्टार शेल हैं।

13 भारतीयों समेत सभी 14 नाविकों का किया गया रेस्क्यू

भारतीय जहाज पर हूती का हमला, यमन में डूबा

● नई दिल्ली / आरएनएन

यमन के तटीय क्षेत्र के पास भारतीय मालवाहक जहाज फैज नूरे औलिया पर मंगलवार को हूती ने बड़ा हमला कर दिया। अज्ञात दिशा से दागे गए प्रोजेक्टाइल की चपेट में आने से जहाज क्षतिग्रस्त होकर समुद्र में डूब गया। हालांकि, समय रहते चलाए गए बचाव अभियान में 13 भारतीयों समेत सभी 14 नाविकों को सुरक्षित निकाल लिया गया। यमन तटरक्षक बल ने घटना की सूचना मिलते ही रेस्क्यू अभियान शुरू किया और सभी नाविकों को सुरक्षित मोखा बंदरगाह पहुंचाया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर घटना की पुष्टि करते हुए हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे बिना किसी उकसावे के किया गया हमला बताया और कहा कि सरकार पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। घटना के बाद महानिदेशक समुद्री प्रशासन को सभी संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर क्षेत्र में मौजूद भारतीय नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा बचाए गए क्रू सदस्यों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। भारत ने सफल बचाव अभियान के लिए यमन के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर व्यापारिक जहाजों पर बढ़ते हमले गंभीर चिंता का विषय हैं और वैश्विक समुद्री व्यापार की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना आवश्यक है। गौरतलब है कि हाल ही में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से बातचीत के दौरान पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर चिंता जताई थी। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि किसी भी परिस्थिति में व्यापारिक जहाजों और नाविकों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। फिलहाल सभी 14 नाविक सुरक्षित हैं और भारतीय एजेंसियां पूरे मामले की लगातार निगरानी कर रही हैं।

होर्मुज पर जल्द समझौते की उम्मीद, तेल की कीमतों में गिरावट

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि ईरान के साथ होर्मुज़ स्ट्रेट को लेकर आज या कल तक समझौता हो सकता है। उनका कहना है कि इससे समुद्री जहाज़ों की आवाजाही सामान्य होगी और तेल-गैस की कीमतों में स्थिरता आएगी। समझौते के संकेत मिलते ही अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 5 प्रतिशत गिरकर 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई। हालांकि, ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी सीधी बातचीत से इनकार किया है।

ईरान में सियासी हलचल

राष्ट्रपति पेजेश्कियान बोले: मैं इस्तीफा नहीं दूंगा...

तेहरान, आरएनएन। ईरान में शीर्ष नेतृत्व के बीच मतभेद की चर्चाओं के बीच राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने इस्तीफे की खबरों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि वह पद पर बने रहेंगे और सरकार व सैन्य नेतृत्व के बीच पूरा तालमेल है। इससे पहले मोजतबा खामेनेई की ओर से राष्ट्रपति को कथित अंतिम चेतावनी दिए जाने की खबरें सामने आई थीं, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

ट्रंप बोले- समझौते का आखिरी मौका, ईरान ने नकारी वार्ता

वॉशिंगटन, आरएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के साथ बातचीत जारी है और बेहतर समझौते का यह आखिरी मौका है। वहीं, तेहरान ने प्रत्यक्ष वार्ता के दावे को खारिज कर दिया। ट्रंप ने यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिकी नौसेना का पूरा नियंत्रण है और समझौते तक यही स्थिति बनी रहेगी।

कृषि मंत्री चौहान से मिलकर किसानों ने एथेनॉल के समर्थन में उठाई आवाज

बैठक में मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों के किसान नेता हुए शामिल

● नई दिल्ली / आरएनएन

अखिल भारतीय किसान समन्वय समिति (एआईकेसीसी) के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर एथेनॉल नीति को किसान हितों से जोडने की मांग की। किसान नेताओं ने कहा कि एथेनॉल खेती के लिए नया अवसर है, जिससे किसानों की आय बढ़ सकती है और देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हो सकती है।

बैठक में पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु सहित कई राज्यों के किसान नेता शामिल हुए। उन्होंने कहा कि गन्ना, मक्का, चावल जैसी फसलों से एथेनॉल उत्पादन किसानों के लिए नए बाजार खोल सकता है, लेकिन यह सुनिश्चित होना चाहिए कि इसका लाभ सीधे किसानों तक पहुंचे। किसान नेताओं ने एथेनॉल को लेकर फैल रही भ्रांतियों को दूर करने के लिए सरकार और किसान संगठनों के संयुक्त प्रयास की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि एथेनॉल नीति ऐसी होनी चाहिए, जिससे किसान को बेहतर दाम और स्थायी आय मिले।

गांव-गांव जाकर गिनाएंगे एथेनॉल के फायदे

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों की बात ध्यान से सुनी और कहा कि सरकार का उद्देश्य एथेनॉल कार्यक्रम का लाभ खेत से लेकर ऊर्जा क्षेत्र तक पहुंचाना है, जिसमें सबसे बड़ा हित किसान का हो। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए कृषि भवन के दरवाजे हमेशा खुले हैं और किसान उनके लिए भगवान के समान हैं। एआईकेसीसी प्रतिनिधियों ने कहा कि वे गांव-गांव जाकर एथेनॉल के फायदे और सही जानकारी किसानों तक पहुंचाएंगे। बैठक में किसान, सरकार और ऊर्जा सुरक्षा के बीच साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

एच-1बी और ल-1 वीजा धारकों को बड़ा झटका

वॉशिंगटन, आरएनएन । ट्रंप ासन एच-1बी और एल-1 वीजा रिन्यूअल पर भी अतिरिक्त शुल्क लगाने की तैयारी में है।

न्यूअल पर भी लगेगी अतिरिक्त फीस

अभी यह फीस सिर्फ नए जा या नौकरी बदलने पर लगती प्रस्ताव लागू होने पर बड़ी मेरिकी कंपनियों का खर्च बढ़ेगा, सका सबसे ज्यादा असर रतीय आईटी प्रोफेशनल्स और पनियों पर पड़ सकता है।

ग्वाटेमाला में फटा फुएगो ज्वालामुखी, 6 किमी ऊंचा उठा राख का गुबार

ग्वाटेमाला सिटी, आरएनएन। ग्वाटेमाला के सक्रिय फुएगो ज्वालामुखी में तेज विस्फोट के बाद सरकार ने देशभर में ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। ज्वालामुखी से लावा और राख का 6 किलोमीटर ऊंचा गुबार उठा, जिसके बाद आसपास के इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। एहतियात के तौर पर स्कूल और प्रमुख सडक़ें बंद कर दी गई हैं, जबकि वैज्ञानिक लगातार ज्वालामुखी की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं।

दुबई में भारतीय कारोबारी की संपत्तियां की गई अटैच

दुबई, आरएनएन। यूएई की वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) ने भारतीय कारोबारी सतीश सनपाल और उनकी पत्नी ताबिंदा की संपत्तियां अटैच कर दी हैं। साथ ही उनके बैंक खाते और डिजिटल एसेट्स भी फ्रीज कर दिए गए हैं। यह कार्रवाई संदिग्ध वित्तीय लेनदेन और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत की गई है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि धन का इस्तेमाल किसी गैरकानूनी गतिविधि या आतंकवाद के वित्तपोषण में तो नहीं हुआ। फिलहाल मामले की जांच जारी है। मूल रूप से मध्य प्रदेश के जबलपुर निवासी सतीश सनपाल दुबई स्थित एनाक्स होल्डिंग के संस्थापक और चेयरमैन हैं।

मप्र के जबलपुर के रहने वाले हैं सतीश सनपाल

हसीना के कार्यक्रम से भारत सरकार का कोई लेना-देना नहीं

● नई दिल्ली

भारत सरकार ने साफ किया है कि 5 अगस्त को नई दिल्ली में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रस्तावित वर्चुअल कार्यक्रम एक निजी मीडिया संस्था का आयोजन है और इससे सरकार का कोई संबंध नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कार्यक्रम में व्यक्त विचार आयोजकों और वक्ताओं के निजी होंगे। वहीं, बांग्लादेश ने शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग दोहराते हुए कहा कि उनके लौटने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, भारत ने पीओजेके में पाकिस्तान द्वारा कराए जा रहे स्थानीय चुनावों को महज़ दिखावा बताया है।

यादगार झील-जंगल और यादों से भरा दोनों का सफर सोशल मीडिया पर जमकर हो रहा वायरल

/ समंदर पार... जर्मन लड़की ने भारतीय युवक को बुलाया अपने गांव

● नई दिल्ली

कई बार जिंदगी की यादगार हानियां बिना किसी योजना के रू हो जाती हैं। ऐसी ही एक स्ती की कहानी इन दिनों सोशल डिया पर चर्चा में है। भारतीय ट्यूबर अभिनव रेड्डी, जिन्हें भि हनी के नाम से जाना जाता है, । बाली में एक जर्मन ट्रैवलर से लाकात हुई। बातचीत का लसिला शुरू हुआ और जल्द ही नों अच्छे दोस्त बन गए। कुछ मय बाद जर्मन लडक़ी ने भिनव को अपने गांव आने का ोता दे दिया।

अभिनव ने इस खास सफर का डियो फेसबुक पर साझा किया, जिसका कैप्शन था- German Girl Invited Me to Her Village, Best Memory of My Life. वीडियो में उनकी जर्मनी यात्रा और दोस्ती के खूबसूरत पल नजर आ रहे हैं।

अभिनव बताते हैं कि उन्हें पहले लगता था कि जर्मनी के गांव शांत और साधारण होंगे, लेकिन वहां पहुंचने के बाद उनकी सोच पूरी तरह बदल गई। जर्मन लडक़ी ने उन्हें अपने बचपन के गांव की सैर कराई, जहां दोनों ने झीलों, जंगलों और पहाडिय़ों के बीच समय बिताया। वीडियो में दोनों पेड़ों पर चढ़ते, झील में मस्ती करते और छोटी नाव से घूमते नजर आते हैं। उनकी सहज दोस्ती और खुशी के पल लोगों को काफी पसंद आ रहे हैं।

दिखाया बचपन का घर और जुड़ी यादें

जर्मन लडक़ी ने अभिनव को अपना बचपन का घर भी दिखाया। उसने बताया कि उसके पिता ने घर का बड़ा हिस्सा खुद तैयार किया है। घर के अंदर उसने अपना कमरा, ट्री हाउस, गार्डन, सब्जियों का बगीचा, बेसमेंट और पारंपरिक हीटिंग सिस्टम भी दिखाया। अभिनव ने उसके पिता की तारीफ करते हुए उन्हें दुनिया के सबसे कूल डैड बताया। उन्होंने कहा कि यह घर सिर्फ ईंट-पत्थरों से नहीं, बल्कि परिवार के प्यार और मेहनत से बना है।

सफर में हुई जिंदगी की बातें...

इस यात्रा के दौरान दोनों ने सिर्फ घूमने का आनंद नहीं लिया, बल्कि बचपन, परिवार, रिश्तों, पढ़ाई, आत्मविश्वास और जिंदगी के अनुभवों पर भी खुलकर बातचीत की। जर्मन लडक़ी ने बताया कि बाली में अभिनव से मुलाकात के बाद उसे भी ट्रैवल कंटेंट बनाने की प्रेरणा मिली। वहीं अभिनव का कहना था कि किसी जगह को खास वहां की इमारतें नहीं, बल्कि वहां मिलने वाले लोग बनाते हैं।

अब भारत आने का इंतजार

वीडियो के अंत में जर्मन लडक़ी अभिनव का भारत आने का निमंत्रण स्वीकार करती है। अभिनव ने भी उसका शुक्रिया अदा किया कि उसने उन्हें अपने बचपन की यादों और परिवार का हिस्सा बनने का मौका दिया। इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने दोनों की दोस्ती की जमकर तारीफ की। लोगों ने इसे भरोसे, दोस्ती और इंसानियत की खूबसूरत मिसाल बताया।

पाक सीमा पर 250 चीनी हॉवित्जर तैनात भारत बोला- हर चुनौती का देंगे जवाब

● नई दिल्ली

पाकिस्तान ने भारत सीमा पर चीन निर्मित 250 एसएच-15 हॉवित्जर तोपें तैनात की हैं।

इस पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। एमईए प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की तरह भारत हर चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। वहीं, भारत ने पीओके के स्थानीय चुनावों को भी ढोंग बताते हुए पाकिस्तान पर दमन का आरोप लगाया।

पीओके चुनाव पर पाक में सियासी घमासान, बिलावल बोले, टिक-टॉक... काउंटडाउन शुरू

इस्लामाबाद, आरएनएन। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के चुनाव को लेकर सत्तारूढ़ सहयोगी दल पीपीपी और पीएमएल-एन आमने-सामने आ गए हैं। पीपीपी प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए पीएमएल-एन को चेतावनी दी, टिक-टॉक... आपका काउंटडाउन शुरू हो गया है। वहीं, पीएमएल-एन ने इस बयान का मजाक उड़ाया। पीओके में तीन चरणों में चुनाव हो रहे हैं, जिनमें अब तक पीएमएल-एन बढ़त पर है, जबकि भारत ने इन चुनावों को दिखावा करार दिया है।

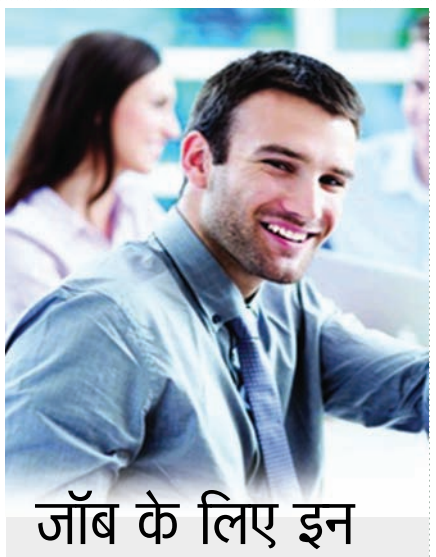

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचाग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं। ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है।

इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकर्षक हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है।

कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफ्रेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की रणनीति

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रैंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2023 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है।

अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली। चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com